



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 141]
No. 141]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1998/वैशाख 7, 1920
NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1998/VAISAKHA 7, 1920

भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन प्रकन्ध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1998

सा. का. नि. 218 (अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा निवर्तमान जहाजरानी तथा परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी दिनांक 14 जुलाई, 1972 की अधिसूचना संख्या जी. एस. आर. 950 का अतिक्रमण करते हुए केन्द्र सरकार का निम्नलिखित प्रारूप नियम तैयार करने का प्रस्ताव है जिसे उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार इससे प्रभावित होने की सम्भावना वाले सभी संबंधितों के सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है।

एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि अधिसूचना के प्रकाशन होने की तिथि से 45 दिनों की समाप्ति पर या उसके पश्चात् उक्त प्रारूप नियमावली पर विचार किया जाएगा। उक्त प्रारूप के संबंध में उपर्युक्त अवधि के भीतर किसी व्यक्ति प्राधिकारी से प्राप्त किसी भी आपत्ति या सुझाव पर केन्द्र सरकार द्वारा विचार किया जाएगा। आपत्ति एवं सुझाव सचिव, भारत सरकार भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजें।

नियमावली का प्रारूप

अध्याय—1

सामान्य

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—

1. इस नियमावली को अंडमान तथा निकोबार पत्तन नियमावली, 1998 कहा जाएगा।
2. ये इसके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रभावी होगा।

2. परिभाषा :—इन नियमों में जब तक कि कोई बात संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

- (i) "अध्यक्ष" से पत्तन प्रबन्ध बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

- (ii) "संरक्षक" से केन्द्र सरकार द्वारा, संरक्षक के रूप में नियुक्त कुछ अधिकारी या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है।
- (iii) "उप संरक्षक" से वह अधिकारी जिसे अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पत्तन संरक्षक के पक्ष में कार्य करने के लिए शक्तियों का प्रत्यायोजन किया गया है या भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन उनकी प्राधिकारिता में कार्य करने वाला कोई भी अन्य अधिकारी अभिप्रेत है।
- (iv) "गोदी" से सभी स्थल, जेटियाँ, सड़कें, घाट लंगरगाह, रोड, गोदाम तथा किसी गोदी से सम्बद्ध अन्य कार्यों तथा वस्तुएं एवं समुद्र का संलग्न या बन्दरगाह के तटबन्ध या घेरे द्वारा आरक्षित भाग भी अभिप्रेत है।
- (v) **सूखी गोदी** :—से फीनिक्स बे संकुल में स्थित दो सूखी गोदी या बाद में इस प्रयोजन के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पत्तन द्वारा बनाया जाने वाला कोई भी अन्य सूखी गोदी अभिप्रेत है।
- (vi) **पो फटना** :—से सूर्योदय से आधे घण्टे पूर्व का समय अभिप्रेत है।
- (vii) **अन्धकार** :—से सूर्यास्त से आधे घण्टे पश्चात् का समय अभिप्रेत है।
- (viii) **अन्तर्देशीय पोत** :—से कोई भी जहाज बशर्ते कि वह इंग्लैंड वेसेल्स एक्ट 1917 (1917 का 1) के उपबन्ध के अधीन आते हों, अभिप्रेत है।
- (ix) **मास्टर** :—जब किसी जहाज के सम्बन्ध में प्रयुक्त हो, से पाईलट के अतिरिक्त कोई भी अन्य व्यक्ति जिनके प्रभार या नियन्त्रण में जहाज होता है अभिप्रेत है।
- (x) **"अण्डमान तथा निकोबार का पत्तन"** से ईस्ट आइलैंड, डिंगली पुर, मायाबन्दर, हैबलॉक, नील आइलैंड, एलिफिस्टोन हार्बर तथा रंगता, पोर्ट ब्लेयर, सिंक तथा साऊथ सिंक आइलैंड, मैकफरसान स्ट्रेट, (जॉली बॉय) हट बे, ड्रमांग क्रीक, कार-निकोबार (माला का तथा भूत) कोडुल आइलैंड, चौरा, तेरेसा, तिलंगबांग, तिलंगबांग (क्रॉसेल बे), कचाल (ईस्ट बे) कामोटा, ननकौरी, कैम्पबेल बे तथा साऊथ बे, सहित नदी या नहर का कोई भी भाग जिस पर फिलहाल भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 लागू है, अभिप्रेत है।
- (xi) **"पत्तन प्रबन्ध बोर्ड"** से अण्डमान तथा निकोबार पत्तन के सम्बन्ध में व्यक्तियों का समूह, जिसका गठन केन्द्र सरकार द्वारा पत्तन प्रबन्ध बोर्ड के रूप में किया है, अभिप्रेत है।
- (xii) **पाइलट** :—से वह व्यक्ति जिसे फिलहाल जहाज को पत्तन में लाने हेतु प्राधिकृत किया है, अभिप्रेत है।
- (xiii) **मशीनी शक्ति से चलाने वाले जहाज** :— से मशीनों द्वारा संचालित जहाज अभिप्रेत है।
- (xiv) **सारंग** :—से कोई भी व्यक्ति बोट/बेड़ा (फ्लैट) प्रभारी है, अभिप्रेत है।
- (xv) **"टन"** से बेड़ा (फ्लैट) तथा बोटों को छोड़कर जिसके लिए हार्बर क्राफ्ट रूलज लागू होता है जहाजों के एकल टन भार के माप तोल के नियंत्रण हेतु मार्चेंट शिपिंग एक्ट, 1958 (1958 का 44) की धारा 74 के अधीन बनाए गए नियमावली के अनुसार निर्धारित टन, अभिप्रेत है।

3. लागू होना

1. यह नियमावली अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के संघ राज्यक्षेत्र में सभी घोषित पत्तनों जिसे आगे पत्तन कहा जाएगा पर लागू होगा।
2. समुद्री जहाजों से सम्बन्धित इस नियमावली के उपबन्ध सी प्लेन, कैप्टाभारण हावरक्राफ्टों तथा हाइड्रोफॉइल पर भी लागू होगा, किन्तु जहां उनके विशेष निर्माण के कारण उपबन्ध में दर्शाए गए अनुसार बत्ती तथा आकार धारण करने सहित इसका पूरा-पूरा पालन करना सम्भव नहीं है वहां इस तथ्य से संरक्षक को अवगत कराया जाएगा।

इस नियमावली में शामिल कोई भी बात निम्नलिखित नियमों के उपबंधों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगी।

- (i) पेट्रोलियम एक्ट, 1934 (1934 का XXX) के अधीन बने कोई भी नियमावली।
- (ii) इंग्लैंड वेसेल्स एक्ट, 1917 (1917 का 1) के अधीन बने कोई भी नियमावली।
- (iii) मुख्य पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) के अन्तर्गत बने कोई भी उपनियम/विनियम।
- (vi) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) के अन्तर्गत बनी नियमावली/विनियम/उपनियम।

अध्याय—2

समुद्री जहाजों के लिए नियमावली

(अन्तर्राष्ट्रीय जहाजों सहित)

4. **प्रवेश/प्रस्थान प्रतिबन्ध** :—पत्तन उप संरक्षक के विशेष प्राधिकार के बिना कोई भी जहाज सूर्यास्त तथा सूर्योदय के बीच पत्तन में प्रवेश या पत्तन से प्रस्थान नहीं कर सकेगा।
5. **घाट का अभिग्रहण** :—पत्तन के भीतर सभी जहाज पत्तन उप संरक्षक द्वारा निर्धारित घाट पर ही लगेगे तथा घाट या स्थान परिवर्तन जब भी आवश्यक हो उसकी अनुमति से होगा।
6. **घाट आर्बटन** :—समुद्री अपेक्षाओं के सन्तोषजनक होने पर ही बन्दरगाह मास्टर या उप संरक्षक जहाजों को घाट का आर्बटन करेंगे।
7. **गतिशीलता पर प्रतिबन्ध** :—प्रत्येक समुद्री जहाज उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर द्वारा जैसे जो भी मामला हो, के आदेश पर किसी भी घाट में आ जा सकेंगे। मात्र पत्तन पायलट सेवा के किसी अधिकारी के निर्देश पर ही पत्तन के भीतर मूरिंग या लंगर डाल सकेंगे, और आगे पीछे कर सकेंगे।
8. **समुद्र में टक्कर होने से बचाव** :—पायलट के नियन्त्रणाधीन प्रत्येक जहाज जब नहर (चैनल) में चल रहा हो को समुद्र में टकराहट से बचने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नियमावली के अधीन संचालित होना होगा या पत्तन प्रबन्ध बोर्ड द्वारा निर्धारित स्थानीय यथा संशोधित या संपूरक नियमों के द्वारा शासित होगा।
9. **पायलट या अन्य प्राधिकृत अधिकारी के बिना संचालन** :—
 - (i) 200 टन से अधिक भार वाला कोई भी समुद्री जहाज बिना पायलट या प्राधिकृत अधिकारी के अन्दर घूमने या बाहर निकलने या पत्तन के भीतर घूमने या जट्टी/घाट/बांधने के स्थल/लंगर स्थल में आने या वहां से निकल नहीं सकेगा। अन्यथा कि भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 की धारा 31 के प्रावधान के अधीन इसके लिए छूट प्रदान न की गई हो।
 - (ii) किसी समुद्री जहाज को बांधने या खोलने, खिसकाने या हटाने तथा माल लादने और उतारने के लिए अपनी स्थिति को अनुकूल बनाने या उपकरणों और गियरों को व्यवस्थित करने के लिए जहाज के मास्टर अथवा मालिक को खुद की सुरक्षा तथा ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए पत्तन में सभी प्राधिकृत अधिकारियों के न्याय संगत निर्देशों का पालन करना होगा तथा पूरा सहयोग प्रदान करना होगा।
10. **पायलट के लिए आवेदन** :—समुद्री जहाजों को खींचकर अन्दर लाने या बाहर करने, बांधने या किसी अन्य सहायता के लिए सभी आवेदन उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर को व्यक्तिगत रूप से या पत्र द्वारा किया जाएगा।
11. **जहाज का विवरण देना** :—समुद्री जहाज को गोदी में लाने या जेटी के किनारे खड़ा करने से पहले, मास्टर या मालिक या एजेंटों को बन्दरगाह मास्टर या प्रबंधपोट तथा आपरेशन या पत्तन के अन्य विधिवत प्राधिकृत अधिकारी के समक्ष निर्धारित प्रपत्र में जहाज की लंबाई—चौड़ाई गहराई, टनभार तथा उपकरण के विशेष आकृति या निर्माण के विवरण प्रस्तुत करने होंगे।
12. **कर्म नाव का प्रयोग** :—पत्तन के भीतर संचालन के इच्छुक प्रत्येक समुद्री जहाज को इन उद्देश्य के लिए ऐसे कर्म नाव को उपयोग में लाना होगा जैसा कि बन्दरगाह मास्टर या पायलट प्रभारी के विचारानुसार उसकी सुरक्षा के लिए आवश्यक हो।
13. **जहाजों की शक्ति** :—प्रत्येक समुद्री जहाज के मास्टर को किसी लंगर स्थल में गोदी में यह जेटी घाट में अपने बल पर प्रवेश करने या छोड़ने की स्थिति में वह इसके लिए उत्तरदायी होगा कि इंजन को पूरी गति से चलाने हेतु पर्याप्त शक्ति धारण करने अपेक्षानुसार आगे बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुरक्षित है।
14. **मूरिंग का प्रयोग** :—उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर की अनुमति के बिना किसी भी समुद्री जहाज को किसी प्रकार की मूरिंग (फिक्सड या स्वींग) की अनुमति नहीं होगी।
15. **जहाज के अग्रभाग में लंगर (एंकर)** :—प्रत्येक समुद्री जहाज को जल मार्ग में, या दरिया में, वह दरिया में या लंगर स्थल में खड़े रहते वक्त सदा इसके अग्रभाग में कम से कम एक लंगर लटका कर रखना होगा ताकि अल्पसूचनावधि में डाला जा सके।
16. **जहाजों की मूरिंग** :—खराब मौसम के दौरान जहाज की सुरक्षा के लिए अनावश्यक खिचाव को कम करने या गति को मन्द करने के उद्देश्य के अतिरिक्त किसी समुद्री जहाज के नोबंधन में उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर द्वारा निर्धारित तरीके को छोड़कर या उप संरक्षक या बन्दरगाह मास्टर की अनुमति के बगैर किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी।
17. **इंजनों का परीक्षण** :—समुद्री जहाज का चालक गोदी में बंधा हो अथवा नहर में या जेटी पर खड़ा हो उस समय तक जहाज का इंजन

नहीं चलाएगा जब तक कि आसपास खड़े सभी बोटों को पर्याप्त चेतावनी नहीं दे देता और जब तक एक पायलट या सहायक बंदरगाह मास्टर इंजन के परीक्षण के समय जहाज में नहीं होता। इंजन परीक्षण बिल्कुल धीमी गति से होगा और अल्पावधि के लिए हर दिशा में घूमने की जाँच की जाएगी। बिल्कुल धीमी गति से ऊपर गति में इंजन बिना पायलट या सहायक बंदरगाह मास्टर के निदेश के नहीं चलाया जा सकेगा।

18. **इंजन खोलना** :—किसी भी समुद्री जहाज के इंजन को उप संरक्षक या बंदरगाह मास्टर की अनुमति के बिना खोला नहीं जा सकता जिससे वह चल पाने में अक्षम हो जाए।
19. **तूफान सिगलन** :—जब पत्तन नियंत्रण टॉवर के ध्वजदंड पर तूफान सिगनल सं. VIII, IX या X लगा दिया जाता है तो सभी समुद्री जहाज के मास्टर अपनी जहाजों की सुरक्षा के लिए हर प्रकार की सुरक्षा का तत्काल उपाय करेंगे और विशेषकर दूसरा लंगर डालने के लिए या ऐसे अन्य सुरक्षा उपाय करेंगे जिससे जहाज और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो।
20. **जहाजों के लिए कर्मी** :—नियम 21, 22, 23, 24 और 25 के उपबंधों के अध्याधीन सभी समुद्री जहाजों में सभी समय पर्याप्त संख्या में कर्मी जहाज में होने चाहिए ताकि आपातकाल में जहाज की सुरक्षा या चलाने के आवश्यक कार्यों को निष्पादित कर सकें।
21. **न्यूनतम कर्मी दल के लिए लाइसेंस** :—जब कभी कोई समुद्री जहाज किसी घाट या लंगर स्थल में जो विशेषकर उसे उसी प्रयोजन हेतु आर्बिट्र किया गया है, खड़ा होता है तो यह पत्तन प्रबंध बोर्ड के लिए विधि सम्मत होगा कि वह उनके मुख्य पत्तन प्रशासक द्वारा अनुसूची के फार्म "क" में कथित अवधि के लिए यह प्राधिकार प्रदान करते हुए एक लाइसेंस जारी करें कि जहाज अपने घाट या लंगर स्थल पर लाइसेंस में उल्लिखित न्यूनतम कर्मियों के साथ रह सकता है।
22. **लाइसेंस का प्रतिसंहरण** :—पत्तन प्रबंध बोर्ड के लिए यह विधि सम्मत होगा कि अनुसूची के फार्म "ख" में मुख्य पत्तन प्रशासन द्वारा उक्त लाइसेंस का प्रतिसंहरण कर दें और ऐसे प्रतिसंहरण के प्रकाशन के साथ ही उसकी एक प्रति जहाज के प्रमुख स्थान पर चिपकाने के साथ ही प्रभावी हो जाएगी और नियम 20 के उपबंध उस स्थिति में लागू हो जाएंगे कि किसी प्रकार का लाइसेंस जारी नहीं किया गया है।
23. **कर्मियों के बिना पड़े रहने का लाइसेंस** :—जब कभी मुख्य पत्तन प्रशासक को ऐसा लगेगा कि कोई भी संकरी खाड़ी, खाड़ी अथवा नौघाट में समुद्री जहाज बिना किसी कर्मी के ऐसी संकरी खाड़ी, खाड़ी या नौघाट में जहाजों, पत्तन के किसी भी भाग को किसी प्रकार की हानि पहुंचाए बिना पड़ा रह सकता है, तो मुख्य पत्तन प्रशासक के लिए यह विधि सम्मत होगा कि वह ऐसे जहाजों को फार्म "ग" में लाइसेंस जारी करके उसे नियम 20 के उपबंधों से छूट प्रदान कर सकता है और यदि वह उचित समझता है तो समय-समय पर उक्त लाइसेंस का प्रति संग्रहण कर सकता है या उसमें संशोधन कर सकता है।
24. **धूम्रपान** :—कोई भी व्यक्ति समुद्री जहाज के पेरा में या डेकों के बीच अथवा जहाज के किसी परिवेष्टित स्थान जहां भंडार, माल या ज्वलनशील पदार्थ हों, धूम्रपान या किसी प्रकार की खुली आलप का प्रयोग नहीं करेगा।
25. **प्रकाश** :—कोई भी समुद्री जहाज उप संरक्षक की अनुमति के बिना बिजली की बत्तियों के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की बत्ती का प्रयोग नहीं करेगा। यह नियम आपातकालीन नौचालन तथा राइडिंग लाइट पर लागू नहीं होगा।
26. **अग्नि** :—समुद्री जहाज में आग केवल जहाज के रसोईघर या अग्नि के लिए उचित रूप से निर्मित स्थल पर ही जलाने की अनुमति होगी।
27. **आतिशबाजी** :—सभी समुद्री जहाजों पर आतिशबाजी छोड़ना निषिद्ध है।
28. **अग्निकांड के दौरान बचाव** :—जब कभी किसी जहाज में आग की दुर्घटना होती है तो निकट के घाट के तथा लंगर स्थल पर रुके सभी समुद्री जहाज के मास्टर अपने साथबान लपेट लेंगे, अपने पंप (फोर्स पंप) और खबर के नल को प्रयोग हेतु तैयार कर लेंगे और उनके लंगर रस्सा या लोहे के मोटे तार को हटाना और आग से होने वाले नुकसान से बचने के लिए अन्य आवश्यक उपाय करेंगे।
29. **जहाजों के बाहर की ओर निकले भाग** :—सभी समुद्री जहाज घाट या जेट्टी में आते-जाते समय सभी बोटो को भीतर की ओर घुमा लेंगे, बाहर की ओर निकले भाग को हटा लेंगे जिसमें किसी दीवार, स्तम्भ या जेट्टी अथवा घाट से टकराने की संभावना न हो।
30. **दोहरी बैकिंग** :—गोदी में सभी समुद्री जहाज चाहे वह घाट पर ही या थोड़ा में, अल्प सूचना में अन्य जहाज को अपने बगल में लाने के लिए तैयार रहना होगा। घाट पर लगे जहाज को दोनों जहाजों की सुरक्षा की दृष्टि से बगल में आने वाले जहाज को सभी सुविधा उपलब्ध करानी होगी।
31. **हानिकारक अपशिष्ट/गंदगी/कूड़ा-कंकट बहाव** :—कोई भी व्यक्ति (क) किसी प्रकार का पेट्रोल पदार्थ या अन्य ज्वलनशील तरल पदार्थ को किसी संकरी खाड़ी, नहर या किसी गोदी बाड़े में जानबूझकर नहीं बहा सकेगा।

(ख) हानिकर प्रकृति का कोई भी तरल अथवा गंदगी या कूड़ा-ककट किसी गोदी बाड़े के जल में प्रवाहित नहीं करेगा।

32. पर्यावरण की सुरक्षा :—

कोई भी व्यक्ति—

1. किसी विस्फोटक/गंदगी/माल/सामान्य/वस्तु/पदार्थ को यदि ऐसे विस्फोटक गंदगी/माल/सामान्य/वस्तु/पदार्थ पानी में गिरने के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकता है अथवा पानी में गिर कर जहाज को क्षति पहुंचा सकता है, किसी घाट/सेतुबंध/जेट्टी/जहाज में इस प्रकार से नहीं डालेगा कि उक्त पदार्थ कुछ या कोई भाग में पानी में गिरने की संभावना है।
 2. इस नियम के उप नियम (1) में निर्दिष्टानुसार किसी विस्फोटक/गंदगी/माल सामग्री को किसी सेतुबंध/घाट, जेट्टी या जहाज से किसी गोदी बाड़े या समुद्र में डालने/फेंकने नहीं सकेगा।
- (ख) जिस जहाज से उपर्युक्त माल/सामान्य/वस्तु/पदार्थ आदि गोदी बाड़े में या जल में डाला या फेंका गया हो, उसके मास्टर को पूर्ण विवरण सहित रिपोर्ट तत्काल डाक मास्टर या बंदरगाह मास्टर, जैसा भी मामला हो, को देना होगा।
33. **प्राइवेट (निजी) सिगनलों पर रोक :**—सिगनलों के अन्तर्राष्ट्रीय कोड द्वारा प्राधिकृत सिगनलों को छोड़कर संरक्षक, बंदरगाह मास्टर या प्रभारी पायलट के प्राधिकार के बिना किसी समुद्री जहाज में किसी प्रकार के सिगनल नहीं फहराया जा सकेगा।
 34. **सिनल लाइट :**—प्रत्येक समुद्री जहाज को रात्रि तथा सूर्योदय के बीच समुद्र में कोई दुर्घटना न हो इसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय विनियम द्वारा अपेक्षित बत्ती प्रदर्शित करना होगा। बंदरगाह मास्टर या पायलट प्रभारी के निर्देश के अलावा कोई अन्य सिगलन का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
 35. **सीटी की आवाज :**—कोई भी समुद्री जहाज अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार ही अपनी सीटी या सायरन का प्रयोग समुद्र में किसी प्रकार की टक्कर आदि से बचने के लिए कर सकेंगे लेकिन कोई भी समुद्री जहाज लगातार अपनी सीटी या सायरन का प्रयोग नहीं कर सकेगा।
 36. **ब्लू पीटर :**—पतन से प्रस्थान करने वाले प्रत्येक समुद्री जहाज को रस्सी खुलने के एक दिन पूर्व सुबह 6 बजे जहाज के सामने के भाग में ब्लू पीटर फहराना होगा तथा इसे तब तक फहराये रखेगा जब तक कि प्रभारी पायलट इसे समुद्र में ले जाने के लिए नहीं आ जाता लेकिन यह नियम युद्ध के समय लागू नहीं होगा।
 37. **अन्तर्राष्ट्रीय संहिता पताका "क" :**—प्रत्येक समुद्री जहाज लंगर में प्रवेश करते समय या जेट्टी में आते समय ट्राइटिक स्टे पर अन्तर्राष्ट्रीय (कोड) संहिता पताका "क" फहरायेगा और इसे तब तक फहराये रखेगा जब तक कि प्रभारी पायलट, जब वह उपयुक्त समझे कि इनलैंड वॉलेंस और छोटे जलयान सुरक्षित रूप से बगल में आ सकते हैं, इसे नीचे करने का आदेश नहीं दे देता।
 38. **खोज बत्ती (सर्च लाइट) का प्रयोग:**—पायलट का बंदरगाह मास्टर के निर्देशों के अतिरिक्त किसी भी समुद्री जहाज द्वारा पतन में खोज बत्ती का प्रयोग निषिद्ध है।
 39. **खींचते/धकेलेते समय बत्ती दिखाना:**—समुद्री जहाज को जब उसे खींचा/धकेला जा रहा हो समुद्र में टक्कर आदि से बचने हेतु लागू/समय-समय पर संशोधित अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार निर्धारित ऐसे जहाजों के लिए निर्धारित बत्तियों द्वारा प्रकाश किया जाएगा।
 40. **समुद्री जहाजों की बत्तियों द्वारा कर्ष नौका के बत्तियों का अवरोध न होना**—पतन में सभी समुद्री जहाज को निकट लाने हेतु खींचते समय जहाज के उन सभी बत्तियों को बुझा देना होगा जिसमें कर्ष नौका द्वारा प्रदर्शित बत्तियों को देख पाने में अवरोध होता हो।
 41. **टोहंग बत्ती (नियंत्रण बत्ती) —**
 - (क) पतन पर सभी समुद्री जहाज को जब पिछले भाग से खींचा जा रहा हो तो समुद्र में टक्कर से बचने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय नियामवली के नियम 5 द्वारा अपेक्षित बत्ती का प्रयोग करना होगा।
 - (ख) जब नौका दोनों बगल में बाँध कर खींचा जाता है तो उक्त विनियम के नियम 3 द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का प्रयोग करना होगा।
 - (ग) जब केवल एक जहाज बगल में बाँधा जाएगा तो उक्त नियामवली द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का इस्तेमाल होगा और इसके अलावा जिस ओर जहाज बंधा है उसकी दूसरी ओर भी बत्ती का प्रयोग किया जाएगा।
 - (घ) जब कर्ष नौका द्वारा जहाज का पिछला हिस्सा खींचकर समीप बाँधा जाता है तो उक्त नियामवली द्वारा अपेक्षित सफेद बत्ती का प्रयोग किया जाएगा।

42. पत्तन में जब एक समुद्री जहाज द्वारा दूसरे समुद्री जहाज को खींचा जाता है तो -
- (क) जब कर्षण सामने की ओर हो तो समुद्र में टक्कर से बचने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय नियामकाली के नियम 3 द्वारा निर्धारित बत्ती का प्रयोग किया जाएगा।
- (ख) जब कर्षण बगल की ओर हो तो कर्षण के दूसरे ओर की बत्ती चलायी जाएगी।
43. **कर्ष नौका के लिए नियंत्रण बत्ती :—**नियम 42 के उपनियम (ख) में उल्लिखित अतिरिक्त सफेद बत्तियों का पत्तन में कर्ष नौका/कर्षनौकाओं से समुद्री जहाज को खींचने के लिए प्रयोग नहीं किया जाएगा।
44. **जमीन में धंसे तथा लंगर में खड़े जहाजों के लिए बत्ती—**पत्तन में या नौचालन चैनल में जमीन में धंसे समुद्री जहाजों को
- (क) समुद्र में टक्कर से बचने के लिए लागू समय-समय पर संशोधित अन्तर्राष्ट्रीय नियमों के अनुसार बत्ती/सेप प्रदर्शित करेंगे।
- (ख) समुद्र में टक्कर से बचने के लिए दिन के समय अन्तर्राष्ट्रीय नियमों में निर्धारित ब्लैक बाल प्रदर्शित करेंगे।
45. **दुर्घटना से बचने के लिए सावधानी—**सभी जहाज मास्टर जहाज के किसी भाग से निकलने वाला धुँआ, तेल या जल से लोगों को हानि न पहुँचे या सम्पत्ति आदि को नुकसान न हो, इसके लिए हर आवश्यक सावधानी बरतेगा।
46. **बीम तथा हैचवे की सुरक्षा—**जब किसी समुद्री जहाज को अपने किसी हैचवे से माल चढ़ाया या उतारा जा रहा हो, चाहे डैक पर या नीचे, देशान्तरीय (अगला और पिछला) तथा आड़ी-चौड़ाई तथा ऐसे हैचवे के इस प्रकार घेरा जाए कि सामान गिरने पर जहाज पर या जहाज और जैटी के बीच के भाग न गिरे।
47. **कामगारों की सुरक्षा—**सभी जहाज के मास्टरों को बिल्ज, बॉयलर या डबल बोटम में कोई कार्य करवाना हो तो किसी व्यक्ति को वहाँ भेजने से पूर्व यह सुनिश्चित करना होगा कि उस स्थान पर कार्य करने के लिए पूर्ण सुरक्षित वातावरण है।
48. **लंगर डालना तथा बांधना**
- (क) बन्दरगाह के भीतर के सभी जहाज उपसंरक्षक के निर्देशानुसार लंगर डालेंगे या बांधे जाएंगे।
- (ख) समुद्र में जाने वाले सभी जहाज के लंगर पर बोया होगा।
49. **बन्दरगाह में नहाना :—**शार्क, मगरमच्छ, बैराकुडस आदि के बन्दरगाह जल में होने की संभावना को ध्यान में रखते हुए बन्दरगाह में नहाने की सख्ता मनाही है।
50. **जहाजों की आगमन अधिसूचना**
- (क) जहाज की प्रत्याशित आगमन से कम से कम 12 घंटे पूर्व, उसके एजेंट एक अधिसूचना पत्तन उप संरक्षक को भेजेगा।
- (ख) पत्तन में उतारे जाने वाले माल का फलकवार विस्तृत विवरण या तो जहाजों की आगमन अधिसूचना के साथ संलग्न होना चाहिए अथवा जहाज के पत्तन पर वास्तविक आगमन के तुरन्त बाद देना होगा।
51. **जहाजों की मरम्मत—**
- जहाजों के मास्टर जो मरम्मत करवाने के इच्छुक हैं निम्नलिखित का पालन करेंगे :
- (क) उप संरक्षक/बन्दरगाह मास्टर की पूर्व अनुमति के बिना जहाजों को स्थिर न किया जाए।
- (ख) जहाज को घाट से उस समय हटा लिया जाएगा जब घाट की आवश्यकता किसी अन्य प्रयोजन के लिए हो, और
- (ग) अनावृत्त आग, गैस कटिंग, वेलिडिंग आदि ईंधन/तेल भंडार टैंक या ईंधन प्रणाली में किसी व्यक्ति को प्रवेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उपयुक्त पदाधिकारी से गैस मुक्त प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लिया जाता।
52. **बन्दरगाह सीमा के भीतर नौचालन :—**बन्दरगाह सीमा के भीतर संचालित छोटे जहाज, बोट तथा बन्दरगाह जलयान जलमग्न लक्ष्मों के कारण सावधानीपूर्वक नौचालन करेंगे और नौचालन बोयों के बाहर बोट नहीं ले जाएंगे।

अध्याय-3

अन्तर्देशीय जहाजों के लिए नियम

53. **व्यापक नियम**—नियम 14, 15, 24, 25, 26, 27, 42 तथा 43 के उपबन्ध अन्तर्देशीय जहाजों पर भी उसी प्रकार लागू होंगे जैसा समुद्री जहाजों के संबंध में लागू होते हैं।
54. **नौगम्य चैनल**—पत्तन के भीतर चलने वाले अन्तर्देशीय जहाज इस प्रकार नौचालन करेंगे कि पत्तन के भीतर समुद्री जहाज को नौचालन के लिए पर्याप्त स्थान मिले।
55. **घाट तथा लंगर स्थल व्यवस्थापन**—प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज पत्तन प्रबन्ध बोर्ड के निर्देश पर किसी घाट, लंगरस्थल या स्थान पर भिड़ेंगे, आएंगे या हटेंगे।
56. **लंगरगाह**—कोई भी अन्तर्देशीय जहाज इस प्रकार या ऐसी स्थिति में लंगर नहीं डालेगा जिससे पत्तन के भीतर किसी नौचालन चैनल में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न हो।
57. **संचालन पर प्रतिबन्ध**—जहाज के द्राईएटिक स्टे पर अन्तर्राष्ट्रीय संकेत ध्वज "क" लगा दिया जाने पर कोई भी अन्तर्देशीय जहाज किसी भी प्रयोजन के लिए समुद्री जहाज के बगल में नहीं जाएंगे।
58. **सुलभ मार्ग**—प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज सभी समय पोतघाट जेद्दी, अवतरण स्थल, घाट, गोदी, अस्थायी गोदी तथा लंगरस्थल पर लंगर में होने या चलने के समय पर्याप्त चौड़ाई के यात्रा मार्ग सुलभ कराएंगे।
59. **तूफान सिगनल**—जब पत्तन नियंत्रण टॉवर के ध्वजदण्ड पर तूफान सिगनल लगा दिया जाता है तो सभी अन्तर्देशीय जहाज के मास्टर अपनी जहाज की सुरक्षा के लिए हर प्रकार के सुरक्षा का उपाय करेंगे।
60. **जहाज के कर्मी**—प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज में किसी आपातकालीन स्थिति में जहाज की सुरक्षा या संचालन के लिए आवश्यकता पड़ने पर ड्यूटी निष्पादित करने के लिए पर्याप्त संख्या में जहाजकर्मी होने चाहिए।
61. **निर्धारित बत्ती**—अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में निर्धारित बत्ती का प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज प्रदर्शन करेंगे।
62. **खोज बत्ती (सर्च लाइट)**—अन्तर्देशीय जहाजों को नौचालन प्रयोजन हेतु खोज बत्ती के प्रयोग की अनुमति है बशर्ते कि कोई खोज बत्ती किसी भी परिस्थिति में किसी जहाज के नौचालन पर अवरोध उत्पन्न नहीं करेगी।
63. **अग्निशमन उपकरण**—प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन बनाए गए नियमों में निर्धारित अग्निशमन उपकरणों को रखेंगे।
64. **संचार**—प्रत्येक अन्तर्देशीय जहाज को एक द्वीप से दूसरे द्वीप के बीच नौचालन के समय अथवा ज्वारीय जल में परिचालन के समय संलग्न अनुसूची के अनुसार अत्यन्त उच्च आवृत्ति या उच्च आवृत्ति पर पत्तन नियंत्रण टॉवर के साथ रेडियो सम्पर्क बनाए रखना होगा।

अध्याय-1

बन्दरगाह यान के लिए नियम

65. **व्यापक नियम**—नियम 14, 15, 16 और 43 के उपबन्ध बन्दरगाह यान के सम्बन्ध में उसी प्रकार लागू होंगे जैसा समुद्री जहाजों पर लागू होते हैं और नियम 54, 55, 56, 57 और 58 के उपबन्ध अन्तर्देशीय जलयानों के समान लागू होंगे।
66. **बन्दरगाह यान पंजीकरण तथा लाइसेंस**—कोई भी बन्दरगाह यान नियमित अथवा कभी-कभी पत्तन के भीतर या अंशतः भीतर तथा अंशतः बाहर चलाया नहीं जाएगा जब तक कि इसे पत्तन उप संरक्षक/व्यापारी बेड़ा (बर्कनटाइल मैरीन) विभाग, पोर्टब्लेयर के परामर्श से लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा अन्तर्देशीय जलयान अधिनियम, 1917 (1917 का 1) के अधीन इसका पंजीकरण नहीं होता तथा लाइसेंस नहीं दिया जाता।
67. **पंजीकरण के लिए आवेदन**—बन्दरगाह यान के पंजीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची के फार्म "घ" में लिखित रूप में तथा एक शपथ पत्र तथा प्रमाण पत्र की फोटो प्रति तथा निम्नलिखित विवरण के साथ उप आयुक्त, अंडमान को देना होगा।
(क) मालिक का नाम तथा पता अथवा पोर्टब्लेयर में उसके विधिवत प्राधिकृत अधिकर्ता का नाम तथा पता।

- (ख) बोट/फ्लैट का विवरण तथा
- (ग) विद्यमान या अपेक्षित लाइसेंस की प्रकृति, माल या यात्री।
68. **पंजीकरण रद्द करना**—एक बोट/फ्लैट पंजीकरण संख्या सम्पूर्ण कार्य काल में पहचान संख्या के रूप में लागू रहेगा जब तक कि:—
- (क) बोट/फ्लैट 3 वर्षों की अवधि तक बिना लाइसेंस के रहता है।
- (ख) बोट/फ्लैट को बोट सर्वेक्षक द्वारा और आगे सेवा के लिए बेकार मान लिया गया हो।
- (ग) बोट/फ्लैट पर प्रदर्शित नम्बर अभिलोप हो गया हो और खोजा नहीं जा रहा हो और
- (घ) फ्लैट/बोट की लम्बाई-चौड़ाई बदल दी गयी हो।
69. **लाइसेंस के लिए आवेदन**—फ्लैट/बोट के लाइसेंस के लिए प्रत्येक आवेदन अनुसूची के फार्म "ई" में लिखित रूप में उप आयुक्त, अंडमान को दिया जाएगा जिसमें निम्नलिखित विवरण शामिल होगा :—
- (क) मालिक का नाम व पता, या
- (ख) पोर्टब्लेयर में उसका विधिवत प्राधिकृत अभिकर्ता का नाम तथा पता
- (ग) फ्लैट/बोट का विवरण
- (घ) उप आयुक्त, अंडमान द्वारा फ्लैट/बोट पर पंजीकृत संख्या मार्का अथवा पंजीकरण के उपबन्धों के अनुसार चिह्नित पंजीकृत संख्या तथा
- (ङ) फ्लैट/बोट के प्रभारी सारंग का नाम
70. **सारंग का सक्षमता प्रमाण-पत्र**—
- कोई भी फ्लैट/बोट को अंडमान तथा निकोबार के बन्दरगाहों की सीमाओं के भीतर चलने की अनुमति नहीं होगी जब तक कि वह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह अन्तर्देशीय जलयान (सक्षमता प्रमाण पत्र) नियम 1972 के अनुसार जारी सक्षम प्रमाण पत्र धारी सारंग के प्रभार में न हो।
71. **माल सहित बिना लाइसेंस वाले हार्बर क्राफ्ट**—
- अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के उद्घोषित पत्तन में पहुँचने वाले हार्बर क्राफ्ट यदि बिना लाइसेंस के हों या लाइसेंस की अवधि समाप्त हो चुकी हो और वह माल उतारना चाहता हो तो पत्तन प्रबंध बोर्ड से तत्काल माल उतारने के परमिट के लिए आवेदन करेगा। कोई भी हार्बर क्राफ्ट जो इस नियम के अंतर्गत माल उतारता है उसे पत्तन में प्रवेश की तारीख से 15 दिन के भीतर जो सर्वेक्षण तथा लाइसेंस के लिए उस जहाज के पंजीकरण प्राधिकारी को आवेदन करेगा।
72. **मालवाहक बोट के कर्मी**—
- प्रत्येक फ्लैट या मालवाहक बोट जो पत्तन में चलते हैं को स्वीकृत रक्षा-बोया रखना होगा या इनके स्थान पर कुछ अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगी होनी चाहिए। जिसकी परिधि एक इंच तथा लम्बाई 10 फूट से कम नहीं होनी चाहिए।
73. **यात्री बोट के कर्मी**—
- प्रत्येक यात्री जहाज जो पत्तन में चलते हैं को स्वीकृत रक्षा-बोया जिसकी संख्या दो से कम नहीं होनी चाहिए या इनके स्थान पर कुछ अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगी होनी चाहिए जिसकी परिधि 1 इंच तथा लम्बाई 10 फूट से कम नहीं होनी चाहिए और यदि वह 40 से अधिक यात्री लेने का लाइसेंसीकृत हो तो अतिरिक्त स्वीकृत रक्षा-बोया या इसके स्थान पर अन्य जिसके साथ रक्षा रस्सी लगी होनी चाहिए जो प्रत्येक अतिरिक्त बीस यात्रियों के लिए या उसके भाग के लिए होगा।
74. **लोड लाइन**—
- प्रत्येक फ्लैट/बोट जो पंजीकृत 28 क्यूबिक मीटर से अधिक हो को अपना लोड लाइन तय करना होगा जो किसी भी समय डूबेगा नहीं तथा उसे गाढ़े सफेद रंग से चिह्नित किया जाएगा। यह निशान सर्वेक्षण के समय बोट सर्वेक्षक द्वारा लगाया जाएगा।
75. **यात्री पट्टिका का प्रदर्शनी**—
- प्रत्येक बोट जिसके पास यात्री लेने का लाइसेंस हो को एक यात्री पट्टिका प्रदर्शित करना होगा जिम् पर बोट की

पंजीकरण संख्या, लाइसेंस संख्या, कितने यात्री लेने के लिए प्राधिकृत हैं, जहाज कर्मियों की संख्या तथा लाइसेंस की समाप्ति तिथि अंग्रेजी तथा हिंदी में दिखाना होगा ।

76. **लाइसेंस का निरीक्षण—**

पत्तन में चल रहे प्रत्येक फ्लैट या बोट का प्रभारी सारंग अपने स्वयं का लाइसेंस तथा अपने फ्लैट/बोट का लाइसेंस रखेगा जिसे बोर्ड द्वारा विधिवत प्राधिकृत पत्तन सुरक्षा अधिकारी/कर्मचारी द्वारा मांग करने पर दिखाएगा, किसी भी यात्री के अनुरोध पर यात्री-बोट के लाइसेंस को भी निरीक्षण के लिए दिखाना होगा ।

77. **लाइसेंस की जब्ती—**

फ्लैट/बोट को मालिक या एजेंट या सारंग द्वारा इन नियमों का या लाइसेंस के किसी शर्तों का उल्लंघन करने के मामले में पत्तन सुरक्षा अधिकारी द्वारा या बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कोई भी अधिकारी/कर्मचारी द्वारा फ्लैट/बोट को जप्त कर लिया जाएगा और जब तक यह विवाद हल न हो जाए पुलिस हिरासत में रखेगा । बोट/फ्लैट बिना लाइसेंस के या अवधि समाप्ति वाले लाइसेंस के साथ या बिना लाइसेंस वाले सारंग के साथ या सक्षमता प्रमाण-पत्र की अवधि समाप्ति वाले सारंग के साथ चलते हुए पाए गए तो पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा सकता है ।

78. **लाइसेंस की अवधि—**

इन नियमों के अन्तर्गत जारी प्रत्येक लाइसेंस यदि रद्द न किया गया हो तो सामान्यतः जारी करने की तारीख से लगातार एक वर्ष के लिए प्रभावी होगी, यदि आवश्यक समझा जाता है तो बोट/फ्लैट को लाइसेंस एक वर्ष से कम अवधि के लिए भी स्वीकृत की जा सकती है । गुम हो गए या विकृत लाइसेंस के बदले लाइसेंस की दूसरी प्रति भी जारी की जा सकती है । प्रत्येक अवधि समाप्त या रद्द लाइसेंस को बिना रुकावट के उपायुक्त, अंडमान के हवाले करना होगा ।

79. **यात्री वहन—**

कोई भी व्यक्ति जो पत्तन में किराए पर लाइसेंस वाले यात्री बोट का प्रभारी होगा, बिना उचित कारण के पर्याप्त किराया देने वाले किसी भी यात्री लेने से इन्कार नहीं कर सकेगा ।

80. **बन्दरगाह जलयान का निर्वहन—**

सभी बन्दरगाह जलयान जो पत्तन सीमा के भीतर चलते हैं, के पास पर्याप्त शक्ति होनी चाहिए ताकि वे समुद्री जहाज के आने जाने के लिए आवश्यक नौ चालन मार्ग/जलमार्ग खाली रखने में सक्षम हों ।

81. **समुद्री जहाज के लिए निकासी क्षेत्र—**

अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पत्तनों के नौ चालन मार्ग को समुद्री जलयान के युक्तिचालन के लिए सभी समय खाली रखना होगा ।

82. **समुद्री जहाज के समीप बन्दरगाह जलयान को जाने पर प्रतिबंध—**

बन्दरगाह जलयान को किसी भी समुद्री जहाज जब बन्दरगाह में प्रवेश करते हों या भिड़ते हों या इसके विपरीत तब उसके समीप जाने की अनुमति नहीं होगी ।

83. **संचलन पर प्रतिबंध—**

किसी भी समुद्री जहाज लंगर के लिए प्रवेश या जट्टी में भिड़ने के लिए जा रहे हों तो दिन के समय अन्तर्राष्ट्रीय संहिता ध्वज "क" जहाज की चोटी पर लहरा रहा हो या रात्रि के समय दो बत्ती लम्बावत प्रदर्शित हों अर्थात् सफेद बत्ती के ऊपर छह फीट की दूरी पर लाल बत्ती जो क्षितिज के चारों ओर दृष्टिगोचर हो, उस समय कोई भी बोट उसके समीप नहीं जाएगा ।

84. **अन्तर्देशीय जलयान—**

कोई भी फ्लैट/बोट अन्तर्देशीय जलयान के बगल में, घाट लगाने, मालों को उतारने तथा बढाने या कोई भी जहाज जो समुद्री जहाज न हो के समीप खड़ा नहीं होगा बशर्ते कि ऐसे फ्लैट/बोट समान उतार या चढ़ा रहा न हो ।

85. **मच्छली पकड़ने वाले बोट—**

मच्छली पकड़ने वाले बोट अन्तर्देशीय जलयानों तथा बन्दरगाह जलयानों के लिए लागू सभी नियमों का पालन करेंगे । पत्तन सीमा के भीतर मछली पकड़ने की अनुमति नहीं होगी तथा मच्छुवारों को पत्तन मार्ग/नाव्य जलपथ के आर-पार स्लिंग/जाल डालने की अनुमति नहीं होगी ।

86. **लकड़ी की डिंगियां—**

कोई भी लकड़ी की डिंगी जिसका जहाज और तट के नौका घाट के बीच यात्रियों तथा माल को लाने ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है, को निर्धारित शुल्क की भुगतान करके हार्बर मास्टर से चलने की अनुमति पत्र प्राप्त करना होगा। इस प्रकार चलने के लिए अनुमति पत्र की वैधता, उपायुक्त, अण्डमान द्वारा जारी यात्री लाइसेंस/प्रमाण पत्र के अनुकूल होनी होगी।

87. **बत्तियों का प्रदर्शन—**

(क) प्रत्येक बन्दरगाह जलयान चाहे वह लंगर पर हो या जलमार्ग में, को सूर्यास्त से सूर्योदय के बीच डेक के ऊपर कम से कम 1.83 मीटर की ऊँचाई पर मौसम रोधी लालटेन में एक समान तथा निरन्तर प्रकाश देने वाला उचित शक्ति वाला एक सफेद बत्ती जो कम से कम एक समुद्री मील की दूरी से क्षितिज के चारों ओर से देखा जा सके, प्रदर्शित करना होगा।

(ख) प्रत्येक बन्दरगाह जलयान जिसे स्थिर नौकाओं को खींचने के काम में लगाया गया हो यदि बगल में बांध कर खींच रहा हो तो जलयान के बाहरी क्षोर पर डैक के ऊपर बने निर्माणों से कम से कम 91 से. मी. ऊपर उचित तरीके से बने लालटेन में साफ एक समान और अखंडित सफेद बत्ती द्वारा प्रकाश करना होगा जिसे 2 समुद्री मील की दूरी से क्षितिज के चारों ओर से देखा जा सकेगा। यदि पीछे बांध कर खींचा जा रहा हो तो इसी प्रकार का प्रकाश बिल्कुल पीछे डैक से 1.83 मीटर ऊपर प्रदर्शित करना होगा।

88. **स्थिर नौका—**

प्रत्येक स्थिर नौका लाइटर या फ्लैट पत्तन में समुद्री जहाज को

(क) यदि रात्रि के समय बगल में बांधकर खींच रहा हो तो जहाज के बाहरी क्षोर पर डैक के ऊपर बने निर्माणों से कम से कम 91 से. मी. ऊपर उचित तरीके से निर्मित लालटेन में साफ एक समान और अखंडित सफेद बत्ती द्वारा प्रकाश करना होगा जिसे कम से कम 2 समुद्री मील की दूरी से क्षितिज के चारों ओर से देखा जा सकेगा।

(ख) यदि पीछे बांधकर खींच रहा हो तो इसी प्रकार का सफेद बत्ती बिल्कुल पीछे डैक से 1.83 मीटर ऊपर प्रदर्शित करना होगा।

89. **अग्नि स्थल—**

फ्लैट/बोट में उचित रूप से निर्मित लोहे की रमोईधर या अग्नि स्थल जो डेक पर या सर्वेक्षक के निर्देशानुसार फ्लैट/बोट के अन्य स्थान पर रखा जाएगा को छोड़कर कहीं भी आग नहीं जलाया जाएगा।

90. **खोया सामान—**

जब कभी किसी यात्री का सामान बोट में छूट जाता है तो उसे उसी समय बोट के प्रभारी व्यक्ति द्वारा नजदीक के पुलिस थाना के प्रभारी अधिकारी को भेजना होगा।

91. **दुर्घटना की सूचना—**

जब कभी फ्लैट/बोट में कोई दुर्घटना होती है तो मालिक, एजेन्ट या उस फ्लैट/बोट के प्रभारी व्यक्ति को अतिशीघ्र नजदीक के पुलिस थाना में जाकर तथा प्रभारी अधिकारी को दुर्घटना से जुड़े सम्बंधित परिस्थितियों की सूचना देनी होगी।

92. **दुर्घटना के पश्चात् प्रमाण-पत्र जारी करना—**

1. मालिक, एजेन्ट या फ्लैट/बोट के प्रभारी व्यक्ति को नियम 91 के उपबंधों को पूरा करने के बाद नजदीक के पुलिस थाना में तथा उपायुक्त, अंडमान के पास फ्लैट/बोट के लाइसेंस के साथ दुर्घटना का स्वरूप बताते हुए तथा आवश्यक मरम्मत जो किया जाना है का विवरण देते हुए एक लिखित में रिपोर्ट जमा करना होगा।

(ख) सूचना प्राप्त होने पर उपायुक्त, अंडमान फ्लैट/बोट पर कारणों का परीक्षण करा देगा तथा मरम्मत के संबंध में लिखित रूप से विनिर्दिष्ट करेगा।

(ग) मरम्मत के पश्चात् जैसा कि उप नियम (ख) के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट है को विधिपूर्वक पूरा किए जाने के बाद फ्लैट/बोट को उपायुक्त अंडमान के समक्ष पुनः प्रस्तुत करना होगा।

(घ) मरम्मत के संबंध में संतुष्ट हो जाने पर उपायुक्त, अंडमान उप-नियम (क) में उल्लिखित लाइसेंस को संलग्न करते हुए लिखित में प्रमाण-पत्र जारी करेगा कि फ्लैट/बोट को प्चारीय जल में चलने की अनुमति दी जाए।

93. **मालिक या सारंग की जिम्मेदारियां—**

इन नियमों के अंतर्गत अपनी अन्य जिम्मेदारियों को प्रभावित किए बगैर किसी भी बोट के मालिक, सारंग या प्रभारी व्यक्ति, विशेष रूप से जिम्मेदार होगा।

- (क) इन नियमों के द्वारा अपेक्षित संख्या में जहाज कर्मी तथा जीवन रक्षा उपकरण बोट में उपलब्ध है।
- (ख) बोट पूर्ण रूप से स्वच्छ है।
- (ग) इन नियमों के अनुसार निर्धारित रूप में दोनों तरफ पंजीकरण संख्या साफ-साफ लिखा गया है।
- (घ) बोट तथा सारंग दोनों के वैध लाइसेंस उपलब्ध है।
- (च) लाइसेंस में विनिर्दिष्ट गियर, रस्से और जीवन रक्षा उपकरण सुलभ कराया गया है तथा उनका सही ढंग से रखरखाव किया जा रहा है।
- (छ) लोड लाइन साफ-साफ अंकित है तथा किसी भी समय डूबना नहीं है।
- (ज) बोट, यदि यात्रियों का वहन कर रहा है तो जितनी संख्या के लिए उनके पास लाइसेंस है उससे अधिक यात्री नहीं लिया गया है।
- (झ) बोट को सभी समय चलाए रखना होगा ताकि समुद्री जहाजों के लिए नौ-चालन मार्ग खाली रहें।
- (ट) बोट/फ्लैट जहाजों के अवागमन में दखल नहीं देगा या पत्तन या गोदी में जहाज के कार्य में कोई बाधा नहीं पहुंचाएगा।
- (ठ) फ्लैट/बोट को पत्तन में कर्मीदल रहित नहीं रखा जाएगा।
- (ड) फ्लैट/बोट चोरी, तस्करी, भूषण आदि किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा।

94. **बन्दरगाह जलयान के लिए घाट—**

सभी प्रकार के बन्दरगाह जलयान को उप पत्तन संरक्षक द्वारा पत्तन के निर्दिष्ट क्षेत्र में घाट लगाया जाएगा। बोट को जलयान सम्बंधी प्रभार के अधीन लागू दरों के अनुसार प्रभार देना होगा।

अध्याय—5

जलयान विभंजन के लिए नियम

95. **जलयान विभंजन के लिए आवेदन—**

यदि कोई मालिक जहाज को सेवा योग्य न रह जाने पर ढाना या विभंजित करना चाहता हो तो वह उप संरक्षक को लिखित में आवेदन करेगा तथा नौवहन महानिदेशक, भारतीय सीमाशुल्क तथा विक्रय कर प्राधिकारी द्वारा जारी निकासी प्रमाण और वह कागजात जो उप संरक्षक द्वारा मांगा जाए को निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा। आवश्यक कागजातों की प्रस्तुति से संतुष्ट हो जाने पर उप संरक्षक अंठमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की सीमा के अन्दर जहाज को ढाने के लिए उपयुक्त घाट आर्बिट्र कर सकेगा।

96. **जहाज विभंजन से सम्बंधित अनुबंध—**

संबंधित जहाज के मालिक को जहाज के मामले की परिस्थिति तथा पुर्जे अलग-अलग करने, विभंजन या नष्ट करने में शामिल जोखिम की मात्रा का ध्यान रखते हुए जब भी आवश्यक हो उप संरक्षक द्वारा निर्धारित किए शर्तों पर औपचारिक अनुबंध करना होगा।

97. **प्रभार का भुगतान—**

मालिक को उप संरक्षक द्वारा मांगे जाने पर लंगर घाट मूरिंग घाट, किराया, सुखी गोदी, किनारे चढाने का प्रभार, स्थान का शुल्क केन किराया जैसी सेवाओं के लिए तथा अन्य लागू प्रभार का जब और जैसा मांग किया जाएगा तत्काल भुगतान करना होगा।

98. **जहाज विभंजन के लिए किसी अनुसूचित बैंक से बैंक गारंटी—**

यदि जहाज आंशिक रूप से या पूरा डूब रहा हो या ध्वस्त हो रहा हो तो पत्तन की सुरक्षा, अन्य जहाजों की सुरक्षा या नौचालन मार्ग साफ रखने के उद्देश्य से बोर्ड द्वारा उद्धारण कार्य जिसे उप संरक्षक द्वारा किया जाएगा को प्रभार के लिए जहाज के मालिक को मांगे जाने पर बोर्ड के मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा सुझाए तथा उप संरक्षक द्वारा अनुमोदित अनुसार किसी ऐसे बैंक से जिसकी मुख्य कार्यालय अथवा शाखा पोर्ट ब्लेयर में हो, बैंक गारन्टी प्रस्तुत करना होगा। राशि तथा बैंक गारन्टी की अन्य शर्तों के लिए मैरीन इंजीनियर का निर्णय अंतिम होगा।

99. **आवश्यक परिश्रम के बिना जहाज विभंजन—**

- (i) यदि मैरीन इंजीनियर द्वारा अपेक्षित अनुसार आवश्यक परिश्रम सहित मालिक जहाज का विभंजन या विघटित कार्य करने में विफल हो जाता है तो बोर्ड अपने किसी अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना मालिक के खर्च पर अन्य एजेंसियों के माध्यम से विभंजन या विघटन और/या बिक्री और/या जहाज के विघटित या विभंजित भाग को हटाने का कार्य करवाएगा।
- (ii) प्रयुक्त शब्द "मालिक" से उनके एजेन्टों, प्रतिनिधि या जहाज के एजेन्ट अभिप्रेत है।

100. **नियमों का व्याख्या—**

जहाज विभंजन से संबंधित इन नियमों के व्याख्या या कार्य पर किसी प्रकार का विवाद होने पर मामले को निर्णय के लिए अध्यक्ष के पास भेजा जाएगा।

अध्याय 6

पत्तन सम्पत्ति की क्षति के लिए नियम

101 किसी जहाज या कर्मी द्वारा बोर्ड के किसी कार्य या सम्पत्ति को क्षति पहुँची हो तो उस जहाज के मास्टर और मालिक इसके लिए जिम्मेदार होगा और बोर्ड को उनके जहाजों को तब तक गोदी में रोके रखने का अधिकार होगा जब तक कि क्षति की राशि के लिए जमानत नहीं दे दी जाती।

बशर्ते, बोर्ड के किसी अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना अध्यक्ष या उप संरक्षक क्षति/नुकसान की अनुमानित लागत की पर्याप्त जमानत मालिक/मास्टर द्वारा दे देने पर जहाज या जहाजों को पत्तन से जाने की अनुमति दे सकता है।

अध्याय 7

पेट्रोल वहन करने वाले जहाजों के लिए नियम

102. **परिभाषा :—** इस अध्याय में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो
- (i) "थोक तेल वाहक जहाज" से थोक पेट्रोलियम सहित पेट्रोलियम जहाज अभिप्रेत होगा।
 - (ii) "केस तेल वाहक जहाज" से डिब्बे, पीपा या अन्य आधार में पेट्रोलियम सहित पेट्रोलियम जहाज अभिप्रेत होगा।
 - (iii) "अवतारण जहाज" से पेट्रोलियम जहाज जो पूर्णतः अपने पेट्रोलियम को अवतारण कर दिया हो अभिप्रेत होगा।
 - (iv) "अपवर्जित पेट्रोलियम" से पेट्रोलियम जिनका ज्वलनांक 93° सेंटीग्रेट (या 200° फारनहाइट) से कम हो जिसके लिए यह नियम लागू नहीं है, अभिप्रेत होगा।
 - (v) किसी पेट्रोलियम के ज्वलनांक से वह न्यूनतम तापमान जिस पर यह भाप उत्पन्न करता हो जो आग दिखाने पर क्षणिक प्रज्वलन दिखता हो और पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 (1934 का 30) तथा उसके अधीन बने नियमों के प्रावधानों द्वारा अवधारित होता है, अभिप्रेत है।
 - (vi) "गैस मुक्त प्रमाण पत्र" से केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण कि जहाज पूरी तरह से साफ और पेट्रोलियम तथा ज्वलनशील भाप से मुक्त है, अभिप्रेत है।
 - (vii) "पेट्रोलियम" से तरल हाइड्रोकार्बन या हाइड्रोकार्बनों का मिश्रण तथा कोई ज्वलनशील मिश्रण (तरल, चिपचिपा या ठोस) जिसमें तरल हाइड्रोकार्बन में होता है, अभिप्रेत है।
 - (viii) "पेट्रोलियम श्रेणी क" से पेट्रोलियम जिसका ज्वलनांक 23° सेंटीग्रेट (73° फारनहाइट) से कम है, अभिप्रेत है।
 - (ix) "पेट्रोलियम श्रेणी ख" से पेट्रोलियम जिसका ज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° डिग्री फेयरनहाइट) से कम है लेकिन 23° सेंटीग्रेट (73° डिग्री फेयरनहाइट) से कम नहीं है, अभिप्रेत है।
 - (x) "पेट्रोलियम श्रेणी ग" अर्थात् पेट्रोलियम जिसका ज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° फेयरनहाइट) से कम नहीं है, अभिप्रेत है।
 - (xi) "थोक पेट्रोलियम" से पेट्रोलियम जिसकी मात्रा 1000 मीटर क्षमता से अधिक है, अभिप्रेत है।
 - (xii) "पेट्रोलियम जलयान" से ऐसे जहाज जो 5000 लीटर या 5 मिट्रीक टन से अधिक पेट्रोलियम श्रेणी "क" या 50000 लीटर या 50 मिट्रीक टन से अधिक पेट्रोलियम श्रेणी "ख" या अन्य पदार्थ जिसमें पेट्रोलियम श्रेणी "क" या श्रेणी "ख" की ही तरह ज्वलनांक हो, वहन करता हो, अभिप्रेत है।
 - (xiii) "लाने ले जाने से" से पेट्रोलियम को पत्तन में एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाना ले जाना, अभिप्रेत है।
103. **पेट्रोलियम जलयानों के विनियम—**कोई भी पेट्रोलियम जहाज तब तक लंगर घाट से आगे नहीं जाएगा जब तक कि उसे घाट आबंटित न कर दिया जाता।
104. **पेट्रोलियम वाहक जलयान के मास्टर या जहाज के एजेंट द्वारा उद्घोषणा—**
- क. पेट्रोलियम या कोई अन्य पदार्थ जिसका ज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° फेयरनहाइट) से कम हो के वहन करने वाले प्रत्येक जहाज के मास्टर को अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के पत्तन के भीतर आने से पूर्व अपने हस्ताक्षर से एक लिखित उद्घोषणा पायलट के सुपुर्द करना होगा। बशर्ते कि जहाज के पहुँचने से पहले ही उस जहाज का एजेंट अपने हस्ताक्षर से लिखित उपर्युक्त उद्घोषणा उप-संरक्षक के सुपुर्द नहीं कर देता, ऐसा कर देने पर जहाज के मास्टर द्वारा इसे देना आवश्यक नहीं होगा।
 - ख. एजेंट को पूरे विवरण सहित सभी हानिकारक माल की सूची तैयार करके उप संरक्षक तथा प्रबंधक (माल) को देना होगा। मास्टर उनके द्वारा जारी सभी नियमों, विनियमों और निर्देशों के अनुपालन के लिए उत्तरदायी होगा बशर्ते कि परिस्थितिबश उप संरक्षक जेटी/ बन्दरगाह में उतारने के लिए लाए गए माल की मात्रा में कमी कर सकता है, जिसकी अधिकतम सीमा इस प्रकार होगी :—
 - (i) खतरनाक पेट्रोलियम या अन्य पदार्थ जिनका ज्वलनांक 24.4° सेंटीग्रेट (76° फेयरनहाइट) से कम हो—5 टन।
 - (ii) बिना खतरनाक पेट्रोलियम या अन्य पदार्थ जिनका ज्वलनांक 65.5° सेंटीग्रेट (150° फेयरनहाइट) से कम हो—100 टन।
105. **कर्षनाथ की उपलब्धता—**खतरे से रहित पेट्रोलियम वाला कोई भी पेट्रोलियम जलयान तथा खाली किया गया कोई भी जलयान सभी टैंकों के लिए गैस मुक्त प्रमाण पत्र के बिना, आवागमन नहीं कर सकेगा जब तक कि कर्षनाथ उपस्थित न हो।
106. थोक में पेट्रोलियम खाली करना तथा थोक में पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव को भरना

- क. पेट्रोलियम जलयान खाली करेंगे/भरेंगे
- (i) थोक में 'क' श्रेणी के पेट्रोलियम या (73° फरेनहाइट) से कम हो ज्वलनशील द्रव जिनका ज्वलनांक 23° से की तेल घाट में आयातक/निर्यातक के भण्डारण टैंक से/में तेल घाट पर सीधा अवतारण/नौभरण करेंगे।
- (ii) 'ख' तथा 'ग' श्रेणी के पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव जिनका ज्वलनांक 23° से तथा उससे अधिक हो को तेल घाट में आयातक/निर्यातक के भण्डारण टैंक से/में सीधा अवतारण/नौभरण करेंगे।
107. **केस में रखे तेल का जलयान से अवतारण** :—प्रत्येक केस में तेल वाही जलयान पेट्रोलियम डिपो से/में पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव का अवतारण नौभरण करेंगे पर ऐसा कोई भी जलयान अवतारण या नौभरण कार्य तब तक आरम्भ नहीं करेंगे जब तक कि बन्दरगाह मास्टर इन बातों से संतुष्ट नहीं हो जाता कि,—
- (i) सहायक समाहर्ता या सीमाशुल्क ने पेट्रोलियम या जैसा भी मामला हो ज्वलनशील द्रव को जमीन पर उतारने या नौभरण के लिए अनुमति प्रदान कर दी है।
- (ii) छेद हुए केसों या ड्रम या अन्य संग्रहण पात्र के भेजने के लिए उचित प्रबन्ध न कर दिया गया हो।
- (iii) संग्रहण पात्र पेट्रोलियम नियमावली 1976 की अपेक्षाओं को पूरा करता है।
108. **लाइटर (नौका) में अवतारण**
- (i) किसी भी मामले में केस तेल वाही जलयान, पूर्ववर्ती नियम के अधीन किसी लाइटर में किसी भी प्रकार के पेट्रोलियम को खाली नहीं करेगा बशर्ते कि ऐसे लाइटर सूर्योदय तथा सूर्यास्त के बीच किसी भण्डारण शेड में साफ तथा अवतारण के लायक हो तथा प्रत्येक ऐसे लाइटर को इस उद्देश्य के लिए जहाज के पंजीयक/सर्वेक्षक द्वारा विधिवत लाइसेंस दिया गया हो।
- आगे शर्त यह भी है कि पेट्रोलियम से भरा कोई भी लाइटर को बन्दरगाह में रात भर रोका नहीं जाएगा बशर्ते कि ऐसा करने से पहले पत्तन के उप संरक्षक से निर्दिष्ट लिखित अनुमति न प्राप्त कर ली गई हो।
- (ii) इस नियम के प्रावधान हाईड्रोकार्बन सहित या रहित सभी ज्वलनशील माल पर भी लागू होंगे।
109. **अग्नि** :—पेट्रोलियम से भरे केसों, ड्रमों या अन्य किसी संग्रहण पात्र को वहन करने वाले किसी भी बोट में आग या अनियन्त्रित अग्नि या किसी प्रकार की धूम्रपान की अनुमति नहीं होगी।
110. **अवतारण के लिए अपर्याप्त सुविचार** :—यदि सहायक समाहर्ता किसी भी समय यह घोषित करता है कि किसी पेट्रोलियम जलयान से पेट्रोलियम के अवतारण के लिए स्थान अनुपयुक्त है तो उप संरक्षक उस जहाज को मत्तन के भीतर लंगर पर जाने का निदेश दे सकता है।
111. **अपने बल पर अवतारण या नौभरण** :—उप संरक्षक के लिखित अनुमति के बिना कोई भी पेट्रोलियम जलयान अपने बल पर थोक मात्रा में 'क' या 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम का अवतारण या नौभरण नहीं कर सकेगा।
112. **कम मात्रा में पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव** :—पेट्रोलियम जलयान अन्यथा कम मात्रा में 'क' श्रेणी का पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव जिसकी मात्रा 5 टन (5000 लिटर) से अधिक नहीं हो तथा 'ख' श्रेणी का पेट्रोलियम या ज्वलनशील द्रव 50 टन (50000 लिटर) से अधिक नहीं हो बन्दरगाह या जेट्टी में निम्न शर्त पर उतार सकता है।
- (1) कि 'क' श्रेणी का पेट्रोलियम के लिए पेट्रोलियम नियमावली 1976 द्वारा स्वीकृत आयात लाइसेंस हो।
- (2) कि प्रत्येक जलयान जो 300 लीटर से अधिक मात्रा में पेट्रोलियम आयात करता हो, को पेट्रोलियम नियमावली 1976 के फार्म II में खुद या उनके एजेंट द्वारा हस्ताक्षरित भण्डारण स्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा बशर्ते कि 'क' श्रेणी के पेट्रोलियम की मात्रा 5 टन (5000 लीटर) या 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम की मात्रा 50 टन (50000 लीटर) से अधिक न हो, को पत्तन के उप संरक्षक की पूर्ण अनुमति से लाइटर में या बोट में अवतारित कर सकते हैं।
- यह भी शर्त है कि 'ग' श्रेणी का पेट्रोलियम जो थोक मात्रा में न हो, किसी भी मात्रा में बन्दरगाह में या जेट्टी में या दोनों ओर बोट या लाइटरों में अवतारित कर सकते हैं।
113. **स्वच्छता** :—प्रत्येक जलयान जो पेट्रोलियम या अन्य ज्वलनशील द्रव अवतारित किया हो, यदि वह सीधा समुद्र में जाता हो तो बन्दरगाह मास्टर के अन्यथा निदेश के बिना विलम्ब किए, निर्धारित मूरिंग स्थल में चला जाएगा और वहां तब तक खड़ा रहेगा जब तक कि यह पेट्रोलियम या ज्वलनशील भाप से मुक्त नहीं हो जाता।
- बशर्ते कि बन्दरगाह मास्टर यदि इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि वर्फ या डॉक नौचालन मार्ग में तेल, तैलीय मी० जल या गंदगी नहीं गिरे इसके लिए उचित सावधानी बरत रहा है तो उम्मी घाट में जहां यह अवतारण किया था इसकी सफाई करवाने की अनुमति प्रदान कर सकता है।
114. **डॉक के भीतर सावधानियां** :—(1) 'ख' श्रेणी के पेट्रोलियम को खाली करने वाला प्रत्येक जलयान दोनों छोरों में एक-एक नौका के साथ

- 10 सें. मी. तार में लटकन/भार लगाएगा तथा जहाज के भीतर का छोर नजदीकी बिट के सम्मुख रखा होगा तथा जहाज के बाहर का छोर जल के भीतर लटका होगा ।
- (2) प्रत्येक लटकन (लम्बमान) की लम्बाई 15 फैकन होगी और वह रेलिंग से हल्के से कसी होगी ।
115. **पेट्रोलियम पदार्थों को भरना :**—कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच किसी भी बोट या जल नौका से पेट्रोल पदार्थ नहीं लेगा । सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच किसी भी बोट या जल नौका से जहाजों को पेट्रोल पदार्थ लेने की अनुमति होगी :—
- (क) नौचालन मार्ग में लंगर स्थान में
- (ख) जड़ियों में
- (ग) सूखी गोदी (ड्राई डॉक) में, यदि डॉक, मास्टर/बन्दरगाह मास्टर इस बात से सन्तुष्ट हो कि पेट्रोल पदार्थ का ज्वलनांक से. 65.5° से. या 150° फा. से कम नहीं है ।
116. **ईंधन लेने के दौरान सावधानियां :**—प्रत्येक जलयान बंकरों के लिए पेट्रोल पदार्थ चढ़ाते समय निम्नलिखित शर्तों का पालन करेंगे कि :—
- (क) जहाज का मास्टर या फस्ट मेट जहाज में होगा और वह यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा कि ईंधन लेने के नियमों का पालन किया जा रहा है तथा सुरक्षा के लिए उचित सावधानियां बरती जा रही हैं ।
- (ख) जहाज का एक अधिकारी इसकी निगरानी करेगा और एक सहायक लचीला जुड़नार टाइप के पास रहेगा ।
- (ग) लचीले तथा भीतर लगे पाइपों के 40 मीटर के भीतर धुम्रपान, खाना बनाने, खुली आग या भट्ठी की अनुमति नहीं होगी ।
- (घ) समुद्र बन्दरगाह तथा जड़ियों में टपकने से किसी पेट्रोल पदार्थ को बचाने के लिए पाइपों के नीचे उचित नाली या अन्य साधन की व्यवस्था करनी होगी ।
- (ङ) ईंधन सप्लाई करते समय जहाज के पम्प के पास एक सहायक को हमेशा ड्यूटी पर उपस्थित रहना होगा ।
- (च) पेट्रोल पदार्थों से बन्दरगाह जल का प्रदूषण पूर्णतः निषिद्ध है और इसके लिए एजेन्ट/जहाज उत्तरदायी होंगे ।
117. **जहाजों को बगल में जाने की मनाही :**—कोई भी अन्तरदेशीय जहाज या छोटे जलयान को 30.48 मीटर के अन्दर आने की अनुमति नहीं होगी :—
- (क) जब जलयान में/से पेट्रोल पदार्थ थोक मात्रा में लिया/उतारा जा रहा हो ।
- (ख) जब तक खाली किए जलयान की सभी तेल निकासी संयन्त्र बन्द नहीं कर दी जाती ।
118. **बोट और नौका के लिए प्रमाणीकरण :**—कोई भी बोट या नौका पत्तन के भीतर थोक मात्रा में पेट्रोल पदार्थ को तब तक ला/ले जाएगा जब तक कि उसे पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा लाइसेंस जारी नहीं होता और पेट्रोलियम नियमावली 1976 के अनुसार उचित प्राधिकारी द्वारा लाइसेंस प्राप्त नहीं होता ।
119. **रात के समय कार्य पर प्रतिबन्ध :**—कोई भी जलयान सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पत्तन के भीतर पेट्रोल पदार्थ भरेगा/खाली करेगा ला/ले जाएगा बशर्ते कि ये नियम पेट्रोलियम नियमावली, 1996 के उपबन्धों के अनुसार थोक मात्रा में तेलघाट पर तेल खाली कर रहे जलयानों पर लागू नहीं होगा ।
120. **भारी पेट्रोलियम का यानांतरण :**—कोई भी जलयान बन्दरगाह मास्टर की लिखित अनुमति से किसी भी दूसरे जहाज में भारी मात्रा में पेट्रोलियम श्रेणी सी. को यानांतरण कर सकेगा ।
121. **जल में गन्दा पानी का विसर्जन निषिद्ध :**—यदि जलयान से इसका विसर्जन करना हो तो यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका एजेन्ट इस प्रयोजन के लिए कूड़ा-करकट उठाने वाली नौका उपलब्ध कराया है । भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 की धारा 12 के अनुसार 5 लाख तक का जुर्माना किया जाएगा ।
122. **घास-फूस/लकड़ी पर प्रतिबन्ध :**—घास-फूस/लकड़ी से बने सामानों से भरे किसी भी जलयान पर आग या धुम्रपान या खुली आग जलाने की अनुमति नहीं होगी ।
123. **थोक मात्रा में तेल लेने वाले जलयान के लिए गैस रहित प्रमाण-पत्र :**—थोक मात्रा में तेल लेने वाली किसी भी जलयान को अन्य जलयानों के साथ अन्दर आने की अनुमति नहीं होगी बशर्ते कि जलयान तेलघाट में जा रहा हो । या उस जलयान के मामले में जो ईंधन तेल लेकर डाक में जा रहा हो । या सक्षम अधिकारी का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं किया जाता है कि उसने वाष्प जांच उपकरणों की मदद से टैंकों, जलबंधों, पम्प रूम और ऐसे अन्य भागों का, जैसा उसने उचित समझा, जांच किया, कर लिया है और लिखित रूप में यह प्रमाणित करता है कि टैंक, जलबन्ध, पम्प रूम और अन्य भाग पेट्रोल पदार्थ के वाष्प से मुक्त हैं और जहाज डाक में प्रवेश करने के लिए उपयुक्त है ।
- (ii) सूखी गोदी (ड्राई डॉक) में जाने वाले थोक मात्रा में तेल लेने वाले जलयानों के मास्टर को भी उपनियम (i) में बताया गया प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
- (iii) पेट्रोलियम टैंकर के किसी भाग में मरम्मत या जुड़नार कार्य भूखंड गोदी (ड्राई डॉक) या गोली गोदी (वेट डॉक) में तब तक नहीं किया

- जाएगा जब तक कि ऐसे भाग जुड़नार का सक्षम अधिकारी द्वारा जांच नहीं कर लिया जाता और पेट्रोलियम वाष्प या पेट्रोलियम से रहित होने का प्रमाण-पत्र लिखित रूप में नहीं दे दिया जाता ।
- (iv) इस नियम के अधीन प्रमाण-पत्र जारी करते समय सक्षम प्राधिकारी यह भी विनिर्दिष्ट करेगा कि प्रमाण-पत्र की वैधता की अवधि तथा शर्तें जिसके अधीन प्रमाण-पत्र वैध रहेगा ।
- (v) बशर्ते कि थोक तेलवाहक जलयान जिसने पिछले गैस मुक्त प्रमाण-पत्र जारी होने के बाद से पेट्रोलियम जिसका ज्वलनांक 150° फेरनहाइट हो नहीं लिया है और जो हल्के रंगरोगन तथा परीक्षण हेतु सूखी गोदी में आ रहा हो को उसके मास्टर द्वारा यह प्रमाण पत्र देने पर कि टैंकों को पूरी तरह साफ किया है, सूखी गोदी में आने की अनुमति दे दी जाएगी । यदि सूखी गोदी (ड्राई डॉक) में प्रवेश करने के बाद यह पाया जाता है कि जलयान में बड़े मरम्मत की आवश्यकता है तो इन मरम्मत कार्यों के लिए जाने से पहले एक गैसरहित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
124. किसी भी कक्ष (कम्पार्टमेंट) की मरम्मत के लिए-अलग से प्रमाण-पत्र :—प्रत्येक थोक तेलवाहक जलयान जो गैस रहित प्रमाण-पत्र के साथ पत्तन में प्रवेश करता है किसी कक्ष (कम्पार्टमेंट) में खुली आग के प्रयोग के साथ मरम्मत कार्य को किए जाने से पहले उस कक्ष (कम्पार्टमेंट) के लिए एक और प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा ।
125. कुछ मामलों में गैस रहित प्रमाण-पत्र परम आवश्यक है :—पत्तन में सभी जलयान जो ईंधन के रूप में तेल का इस्तेमाल करते हैं, बंकर में किसी भी प्रकार के मरम्मत से पहले, सक्षम प्राधिकारी से गैस रहित प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे ।
126. जलयान में अधिकारियों की उपस्थिति :—किसी भी पेट्रोलियम जलयान के पत्तन पर रहते समय, मास्टर तथा मुख्य इंजीनियर अधिकारी को इस नियमावली के उपबन्धों को लागू तथा प्रभावी करने के लिए जहाज पर उपस्थित रहना होगा ।
127. पेट्रोलियम जलयान में पेट्रोल के लादान या खाली करते समय या लादान अथवा खाली करने की तैयारी के दौरान, मास्टर तथा मुख्य इंजीनियर को जहाज में उपस्थित रहना होगा तथा यह देखना होगा कि जहाज तथा उसके माल की सुरक्षा के लिए सभी सावधानियां बरती जा रही हैं तथा विशेष रूप से बॉयलर और मशीनरी आदि सुचारू रूप से व्यवस्थित हैं ताकि बंदरगाह मास्टर द्वारा यदि आवश्यक समझा जाता है तो बिना किसी विलम्ब के स्थान छोड़ सके ।

अध्याय-8

संकेत सिगनल तथा संचार प्रणाली के लिए नियम

128. संचार तथा सेवा की प्रकृति :—डिगलीपुर, मायाबंदर, रंगत, पोर्टब्लेयर, हट बे, कारनिकोबार नान कौरी तथा कैम्बेबल बे के पत्तनों में एच एफ आर टी/वी एच एफ आर टी तथा रेडियो टेलेक्स प्रणाली सुविधा उपलब्ध है तथा सभी समुद्री जहाज इन पत्तनों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं । जलयान को सुरक्षा, आवागमन सेवाओं तथा पत्तन संचालन के लिए ही केवल सिगनल ट्रैफिक का प्रयोग करना चाहिए ।
129. सिगनल के संप्रेषण तथा प्राप्ति की प्रक्रिया :
- (क) रेडियो संचार सिर्फ जहाज से तट तक या तट से जहाज तक (स्टेशन लाइसेंस के प्रावधानों के आधार पर) ही स्वीकार किए जाएंगे तथा इस नेटवर्क से किसी भी प्रकार का आम संप्रेषण नहीं किया जाएगा ।
- (ख) सेवा की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित हैं :—
- (1) दुखद संदेश या उसका उत्तर
 - (2) आवश्यक संदेश या उसका उत्तर
 - (3) सुरक्षा संदेश या उसका उत्तर
 - (4) पत्तन संचालन तथा जलयान नौचालन सेवा
 - (5) मौसम संबंधी सेवाएं
 - (6) जलयान रिपोर्टिंग प्रणाली/स्थान दिशा तथा गति आदि की सूचना
 - (7) सरकारी सूचनाएं
- (ग) रिले प्रणाली :—केन्द्र प्रभारी जहां आवश्यक हो सके संदेश रिले करेंगे ।
- (घ) प्रेषिती को संकेत पहुंचाना
- सभी एजेंट/जहाज के मालिक या अन्य प्रेषितियों को पत्तन नियंत्रण टॉवर से संदेश/संकेत प्राप्त करने हेतु अपना संदेशवाहक भेजना होगा ।
- (ङ) अंडमान तथा निकोबार पत्तन संचार नेटवर्क के नियम आवृत्ति तथा शैड्यूल ।
- पत्तन संचार केन्द्र तथा पत्तन नियंत्रण टॉवर (उच्च आवृत्ति) एच०एफ० (अत्यधिक उच्च आवृत्ति) वी०एच०एफ० रेडियो टेलिफोन तथा रेडियो टेलेक्स कॉलों के लिए दिन में 0600 से 2000 घंटे की आवृत्ति (फ्रीक्वेन्सी) पर तथा रात में 2000 से 0600 घंटे तक की आवृत्ति पर निगरानी रखेंगे ।
- (च) आवृत्ति संप्रेषण पर प्रतिबन्ध :—पत्तन सीमा के भतर किसी प्रकार की उच्च आवृत्ति संप्रेषण की अनुमति नहीं है तथा लंगर में रूके

जहाज अ. उच्च. आ. चैनल 16 पर लगातार निगरानी रखेंगे।

(छ) **संप्रेषण पर प्रतिबंध** :—सभी जहाज को फालतू संकेतों के अनावश्यक संप्रेषण की अनुमति नहीं है। अनाधिकृत या निजी प्रकृति के संप्रेषण या प्राप्ति की मनाही है।

(ज) **उल्लंघन/दुरुपयोग** :—

सिगनल भाषा/मैरीन शब्दावली का प्रयोग संचार हेतु किया जाना है। इस सर्किट में कोई अनुचित/अपभाषा के प्रयोग की अनुमति नहीं है। रेडियो/विनियम/संकेत के उल्लंघन की रिपोर्ट उपयुक्त प्राधिकारी को करनी होगी।

130. **सेवा कागजातों का रखरखाव** :—बेतरा टेलेग्राफी अधिनियम, 1885 (1885 का 13) के अधीन अपेक्षित रेडियो संचार के लिए सेवा कागजातों का रखरखाव सभी केन्द्रों द्वारा किया जाएगा। इन केन्द्रों का दूरसंचार मंत्रालय के निरीक्षकों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जाएगा। केन्द्र प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि लाइसेंस पतन नियंत्रण टॉवर तथा पतन संचार केन्द्र के रेडियो कक्ष में विशिष्ट स्थान में रखा गया है।

131. **पतन नियंत्रण टॉवर तथा पतन संचार केन्द्र के पतन सिगनल आपरेटरों की योग्यता (क्षमता प्रमाण-पत्र)** :—

(क) बेतरा टेलेग्राफी अधिनियम, 1885 के तहत जारी लाइसेंस के उपबंधों के अनुसार।

(ख) अंतर्राष्ट्रीय सिगनल संकेतों, भारतीय पतन अधिनियम, 1908, पतन संचालन के लिए अधिसूचित नियम, मेरी टाइम्स नियम की जानकारी, समुद्री बोया सिस्टम “क” की जानकारी, रेडियो विनियम, स्थानीय बत्ती, तूफान सिगनल का संकेत, सुरक्षा नियम, प्लार-भाटा, मापक के संचालन की जानकारी तथा परीक्षण समिति द्वारा विनिश्चित अन्य विषयों की जानकारी।

(ग) परीक्षण समिति के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है :—

- | | |
|---|-----------------|
| 1. पतन उप संरक्षक या बंदरगाह मास्टर | : मुख्य परीक्षक |
| 2. प्रभारी अधिकारी, संचार केन्द्र, फोर्ट्रेस मुख्यालय | : सदस्य |
| 3. प्रबंधक (पतन सिगनल तथा संचालन) | : सदस्य |

132. **पतन नियंत्रक टावर में कार्य-पंजीकरण (लॉग बुक) का रख-रखाव**

(क) जहाज सरकारी कार्य-पंजी (सिगनल), ड्यूटी सिगनल ऑपरेटर को जहाजों के संचालन पर किए गए सभी अवलोकन को अभिलेख करना होगा। कार्य-पंजी में निम्नलिखित सूचनायें शामिल होंगी :—

- I. जहाज का अवलोकन समय
- II. दिए गए निदेश तथा अभिगम अनुदेश
- III. दिए गए बंदरगाह अनुदेश
- IV. विभिन्न नौचालन स्थलों से गुजरते समय जहाजों की स्थिति
- V. भारतीय पतन अधिनियम 1908 के अध्याय VI के अनुसार पतन को दिए सिगनल का समय तथा पतनों के किए गए स्थानीय सिगनल
- VI. पायलट के जहाज में चढ़ने और उतरने का समय
- VII. पतन संचालन के समय पतन जलयान तथा पायलट जांच की समय की व्यवस्था
- VIII. तूफान का विवरण/तूफान सिगनलों का प्रदर्शन
- IX. जहाज का लंगर डालने की स्थिति तथा लंगर डालने का समय
- X. प्लार-भाटा, सूर्यास्त और सूर्योदय का विवरण
- XI. स्थानीय नौसंचालन प्रकाश के कार्य व स्थिति
- XII. घाट/जेट्टियों में जहाज भिड़ने का समय और जहाज की स्थिति।
- XIII. बेड़े पर तैयार की गई प्रेक्षण बंदरगाह जलयान सेवाएं तथा समुद्री यानों का उतरने/उड़ने की गतिविधियां।
- XIV. बंदरगाह पहुंचने तथा वहां से गुजरने वाले जहाजों की पहचान का विवरण।
- XV. जहाजों की सुरक्षा पर तैयार की गई सभी प्रेक्षण जिसमें लंगरों को खींचना तथा तटीय-जीवन सुरक्षा केन्द्र के रूप में तैयार/प्रेक्षित की गई संकेत शामिल हैं।
- XVI. आने वाले जहाज का ड्राफ्ट (आगे, जहाज के बीच में तथा पीछे) की गहराई।
- XVIII. अन्य कोई संबंधित प्रेक्षण।

(ख) **नौवहन रजिस्टर** :—मास्टर के आगमन अधिसूचना जैसे :—एन. आर. टी., जी. आर. टी. आने का समय, मास्टर का नाम, झंडा, पिछला बंदरगाह जहां से आया है, आगामी बंदरगाह, जहां जाना है, पतन निकासी, संख्या, माल तथा यात्री विवरण के अनुसार विवरण दर्शाने वाले नौवहन रजिस्टर का रख रखाव बंदरगाह नियंत्रण टॉवर द्वारा किया जाएगा।

- (ग) **बंदरगाह संचालन से संबंधित रजिस्टर** :—जहाज से संबंधित प्रभार की वसूली के उद्देश्य के लिए एक वाउचर रजिस्टर रखा जाएगा जिसमें टग संचालन, पाइलेटिंग विवरण (आने तथा जाने) विभिन्न घाटों/जेट्टियों में जहाज भिड़ाने तथा किनारे से नल/नौका द्वारा पेय जल आपूर्ति का विवरण रखा जाएगा।

133. **स्थानीय संकेत** :—जहाजों द्वारा,

- (क) संकेतों की अंतर्राष्ट्रीय संहिता का ही प्रयोग संकेतों के लिए किया जाएगा और मस्तूल शिखर पर लटकाए झंडों की संहिता भी अभिस्वीकृत होगी।
- (ख) मोर्स, झंडे, फ्लैस लाइट (कौंध बत्ती), संकेत यंत्र, वी. एच. एफ./एच. एफ. रेडियो टेलीफोन का पत्तन नियंत्रण दंडों से संचार के लिए साधन के रूप में प्रयोग किया जाए।
- (ग) पत्तन नियंत्रण केन्द्र से संपर्क के लिए सभी जहाजों को दिन में झंडा "जेड" और रात में अल्पावधि के अन्तराल में जेड प्रकाश (फ्लैशिंग) का प्रयोग किया जाएगा।
- (घ) रात्रि में सभी संकेत उत्तोलक में किया जाएगा जिसमें प्रकाश उर्ध्व रेखा में होगी तथा जो एक दूसरे से एक मीटर से अधिक की दूरी पर होगी।
- (ङ) स्थानीय संकेत का विवरण उसके अर्थ सहित अनुलग्नक में दिए गए हैं।

134. **निरसन/बन्धन**

अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह (पत्तनों में समुद्री जहाजों का प्रवेश) नियमावली, 1972 को एतद्वारा निरसित किया जाता है। ऐसे निरसन के होते हुए भी पिछले नियमों के अन्तर्गत जो कुछ भी हुआ है या कोई कार्रवाई की गई है को इस नियमों के संबंधित उपबन्धों के अन्तर्गत कर लिए गए या किए गए समझा जाएगा।

[फा. सं. पी. आर. 16013/2/94-पी. जी.]

के. बी. राव, संयुक्त सचिव

अनुलग्नक
(नियम 133 देखिए)

संकेत (सिग्नल)		कहाँ फहराया गया	अर्थ
दिन	रात		
1	2	3	4
झंडा क्यू	सफेद पर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में हमारा जहाज ठीक है। दिखें। उचित स्थान पर लगाया जाए, प्रकाश 2 मीटर से अधिक की दूरी पर नहीं है।	मुझे मुक्त संगरोध प्राप्त नहीं हुआ है।
झंडा क्यू- क्यू	सफेद पर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखें। उचित स्थान पर लगाया गया और प्रकाश 2 मीटर से अधिक दूरी पर नहीं है।	हमारा जहाज संदिग्ध है। मुझे मुक्त संगरोध प्राप्त नहीं हुआ है।
झंडा क्यू. एल.	सफेद पर लाल	ऐसे स्थान पर फहराया जाए जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखें। उचित स्थान पर लगाया गया और प्रकाश 2 मीटर से अधिक दूरी पर नहीं है।	मेरा जहाज संदिग्ध है। मुझे मुक्त संगरोध प्राप्त नहीं हुआ है।
लाल पोत ध्वज तथा हाऊम फ्लैग		आधा नीचा किया हुआ। मस्तूल के उच्च शिखर पर फहराया गया।	पत्तन सीमा में बोर्ड पर मृत्यु
पायलेट सफेद जैक झंडा डी. क्यूम	लाल के ऊपर लाल	मस्तूल के ऊपर जहाँ से स्पष्ट रूप में दिखें, वहाँ मॉस्ट हैड सिग्नल यार्ड आर्म या स्टे सिग्नल हेल यार्डस	पायलेट की आवश्यकता है। जहाज चल रहा है और तत्काल सहायता की आवश्यकता है।

1	2	3	4
झंडा डी. बी.	लाल के ऊपर सफेद पर लाल	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मास्टर हैड सिगनल यार्ड आर्म या स्टे सिगनल हेलयार्डस	छेद हो गया है और तत्काल सहायता चाहिए।
झंडा डी. जेड	लाल के ऊपर सफेद सफेद पर लाल	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मॉस्ट हैड सिगनल यार्ड या स्टे सिगनल हेलयार्डस	तत्काल सहायता की आवश्यकता है।
झंडा बी. और आर के. ओ.	लाल	अग्र मस्तूल शिखर पर फहराना।	बोर्ड पर केरोसीन (मिट्टी का तेल) या पेट्रोल है।
झंडा बी.	लाल	मुख्य मस्तूल शिखर पर अग्र भाग पर रात्रि संकेत	
झंडा बी.	लाल	अग्र मस्तूल शिखर पर फहराना।	बोर्ड पर विस्फोट सामग्री है (नोट: अपने प्रयोग के अलावा यदि कोई विस्फोट सामग्री जहाज पर हो तो यह संकेत करें पुलिस की आवश्यकता है।
झंडा एम. बी.	लाल के ऊपर लाल	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां हैड सिगनल यार्ड या स्टे सिगनल हेलयार्डस	
झंडा एम. एन.	लाल पर सफेद लाल पर सफेद	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मॉस्ट हैड सिगनल या स्टे हेड हेलयार्डस	पृथक लंगरघाट
झंडा वाई.	सफेद पर लाल	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मॉस्ट सिगनल ईयर या स्टे सिगनल	कर्ष नाव (टग) की आवश्यकता है।
झंडा इक्यू	सफेद पर सफेद	—यथोपरि—	डाक्टर या चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है।
झंडा एम.	शून्य	—यथोपरि—	बंदरगाह/जलमार्ग निकासी में प्रवेश के लिए अनुमति का निवेदन।
झंडा एफ.	शून्य	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मॉस्ट सिगनल ईयर या स्टे सिगनल	बंदरगाह/जलमार्ग निकासी निकासी छोड़ने के लिए अनुमति का निवेदन
झंडा वाई. जे.	शून्य	जहां से स्पष्ट रूप में दिखें वहां मॉस्ट हैड सिगनल यार्ड आर्म या स्टे सिगनल हेलयार्ड।	शुद्ध जल की आवश्यकता है।

पत्तन संकेत नियंत्रण टॉवर में फहराए/लगाए गए संकेतों को निम्नलिखित विनिर्देशनों द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

दिन	संकेत	कहां फहराया गया	अर्थ
क.	अंडमान तथा निकोबार तूफान संकेत (सामान्य पद्धति)	ध्वज दंड	भारतीय समुद्र तटीय पत्तन के लिए कोड तूफान संकेत में जैसा विवरण दिया गया है।
ख.	दो गोलाकार	सफेद पर हरा यथोपरि	जलमार्ग निर्बंध है और पत्तन छोड़ने की अनुमति स्वीकृति है।
ग.	झंडा एन.	हरा पर हरा यथोपरि	अनुमति स्वीकृति/जलमार्ग निर्बंध है। आप पत्तन में प्रवेश कर सकते हैं।

अनुसूची-1**प्ररूप क****(नियम 21 देखिए)**

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

न्यूनतम जहाजी कर्मों का लाइसेंस

मैं, उपाध्यक्ष, पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एतद्वारा अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पत्तन नियमावली, 1998 के नियम 21 के अन्तर्गत एस. एस./एम. वी. जिनका मास्टर है को निम्नलिखित विनिर्दिष्ट जहाजी कर्मों जो बोर्ड पर है, सहित उक्त पत्तन में अपने वर्तमान लंगर स्थल/लंगरगाह/लंगरघाट पर रहने का लाइसेंस प्रदान करता हूँ। बशर्ते कि उक्त नियमावली के नियम 22 के अन्तर्गत उसके प्रतिसंहरण पर या नीचे दिए किसी शर्तों को तोड़ने पर लाइसेंस को पूर्ण रूप से जवा और अवधारण कर लिया जाएगा।

लाइसेंस की शर्तें :—जलयान को में या पत्तन के भीतर ऐसे अन्य मूरिंग/लंगरस्थल/घाट में जो उसे बोर्ड द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा आबंटित की गई हो, से तक की अवधि के लिए रहना होगा

..... न्यूनतम जहाज कर्मियों में

.....

लाइसेंस प्राधिकारी का हस्ताक्षर

दिनांक

पदनाम

उपाध्यक्ष, पत्तन प्रबंध

स्थान

बोर्ड, पोर्टब्लेयर

अनुसूची**प्ररूप-ख****(नियम 22 देखिए)**

(पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह)

लाइसेंस का प्रतिसंहरण

मैं, उपाध्यक्ष, पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह एतद्वारा एस. एस. / एम. वी. को लाइसेंस में उल्लिखित न्यूनतम जहाजकर्मों सहित उक्त पत्तन में रुकने के लिए प्ररूप "क" में जारी लाइसेंस का प्रतिसंहरण करता हूँ।

लाइसेंस प्राधिकारी का हस्ताक्षर

.....

दिनांक

पदनाम : मुख्य पत्तन प्रशासक

स्थान : पोर्टब्लेयर।

अनुसूची**प्ररूप-ग**

पत्तन प्रबन्ध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

जहाजी कर्मियों के बिना पड़े रहने के लिए लाइसेंस

मैं, उपाध्यक्ष, पत्तन प्रबंध बोर्ड पोर्टब्लेयर एतद्वारा अंडमान तथा निकोबार पत्तन नियमावली, 1998 के नियम 23 के अन्तर्गत एस. एस./एम. वी. जिसका मास्टर है को निम्नलिखित खाड़ी, नदी, लंगरगाह, घाट या डॉक (नौका घाट) में का उक्त नियमावली के नियम 20 के उपबंधों से छूट संबंधी लाइसेंस जारी करता हूँ बशर्ते कि उस अवधि के दौरान वह जहाज उक्त खाड़ी, नदी, लंगरगाह, घाट या डॉक (नौका घाट) में ही रहेगा।

लाइसेंस प्राधिकारी का हस्ताक्षर

.....

पदनाम : मुख्य पत्तन प्रशासक

स्थान : पोर्टब्लेयर

अनुसूची**प्ररूप-घ**

(नियम 67 देखिए)

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
पंजीकरण के लिए आवेदन

मालिक का नाम तथा पता
एजेंट का नाम तथा पता
फ्लैट/बोट का विवरण
लाइसेंस के प्रकार, विद्यमान
या अपेक्षित, माल या यात्री

उपरोक्त वर्णित फ्लैट/बोट के अधोहस्ताक्षरी मालिक/एजेंट यह निवेदन करता है कि जलयान को अंडमान तथा निकोबार पत्तन नियमावली, 1998 के नियम 66 के अंतर्गत पंजीकृत किया जाए।

मालिक/एजेंट के हस्ताक्षर
आवास स्थान

उपायुक्त अंडमान, पोर्ट ब्लेयर को अग्रसारित है।

प्रतिनिधि :—बंदरगाह मास्टर, पत्तन प्रबंध बोर्ड, पोर्ट ब्लेयर एम. एम. डी. सर्वेक्षक प्रभारी, पोर्ट ब्लेयर।

अनुसूची**प्ररूप-(ई) छ**

(नियम 69 देखिए)

पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
प्रत्येक फ्लैट/बोट के लाइसेंस के लिए आवेदन

वांडि सं.	बोट का विवरण और श्रेणी	टनभार	नाविक कर्मियों की संख्या	सारंग का नाम, आयु, लंबाई
-----------	---------------------------	-------	-----------------------------	-----------------------------

यात्रियों की संख्या

उपरोक्त वर्णित फ्लैट/बोट के अधोहस्ताक्षरी मालिक/एजेंट यह निवेदन करता है कि उसका फ्लैट/बोट के रूप में चलाने के लिए अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर नियमावली, 1988 के नियम 67 के अनुसार लाइसेंस दिया जाए।

मालिक/एजेंट का हस्ताक्षर

दिनांक

आवास स्थान

मेंवा में,

उपायुक्त, अंडमान, पोर्ट ब्लेयर।

उपसंरक्षक, पत्तन प्रबंध बोर्ड, अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

सर्वेक्षक प्रभारी, एम. एम. डी. पोर्ट ब्लेयर।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT**(Ports Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th April, 1998

G.S.R. 218(E).—The following draft rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of Government of India in the then Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing), No. GSR 950 dated 14th July, 1972 is hereby published as required by sub-section (2) of Section 6 of the said Act for information of all concerned likely to be affected thereby.

Notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the expiry of 45 days from the publication of this notification. Any objection or suggestion which may be received from any person/authority with respect to the said draft rules before the expiry of the said period will be considered by the Central Government. Objections or suggestions may be addressed to the Secretary, Ministry of Surface Transport, New Delhi :—

DRAFT RULES**CHAPTER—I****GENERAL**

1. **Short title and commencement**—(1) These rules may be called the Andaman and Nicobar Islands Port Rules, 1998.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. **Definitions**—In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (i) “Chairman” means the Chairman of the Port Management Board”,
 - (ii) “Conservator” means some officer or body of persons appointed to be conservator by the Central Government ;
 - (iii) “Deputy Conservator” means the Officer to whom powers have been delegated to function on behalf of the Conservator of Ports of Andaman and Nicobar Islands and includes any other officer acting under his authority to exercise or perform the functions under the Indian Port Act, 1908 (15 of 1908);
 - (iv) “Dock” means all land, jetties, roads, quays, berths, sheds warehouses, and other works and things appertaining to any dock and also the portion of the sea enclosed or protected by the arms or groynes of a harbour ;
 - (v) “Dry Docks” means the two Dry Docks in Phoenix Bay Complex or any other dry docks that may be constructed by the Ports of Andaman and Nicobar Islands subsequently constructed for this purpose ,
 - (vi) “Day break” means half an hour before sunrise;
 - (vii) “Dark” means half an hour after sunset ;
 - (viii) “Inland vessel” means any vessel which is subject to the provision of the Inland Vessels Act, 1917 (1 of 1917).
 - (ix) “Master” when used in relation any vessel, means any person other than a Pilot being in charge or control of the vessel ;
 - (x) “Ports of Andaman and Nicobar” means the Ports of East Island, Diglipur, Mayabunder, Havelock, Neil Island, Elphinstone Harbour and Rangat, Port Blair, Cinque and South Cinque Islands, macpherson straits (Jolly Buoys), Hut, Bay, Dugong Creek, Carnicobar (Malacca and Mus), Kondul Island, Chowra, Teresa, Tillangchang, Tillangchang (Castle Bay,) Katchal (East Bay, Kamorta, Nancowry, Campbell Bay and South Bay, including any part of river or channel in which the Indian Ports Act, 1908 is for the time being in force ;
 - (xi) “Port Management Board” in relation to ports of Andaman and Nicobar means a body of persons constituted to be the Port Management Board by the Central Government;
 - (xii) “Pilot” means a person for the time being authorised to Pilot a vessel;

- (xiii) "Power Driven vessel" means any vessel propelled by machinery;
- (xiv) "Scrang" means any person in charge of a boat/flat; and
- (xv) "Ton" means a ton as determined or determinable by the rules made under Section 74 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) for regulating the measurement of the gross tonnage of ships except in the case of flats and boats where the rules for harbour craft shall apply.

3 Application : (1) These rules shall apply to all the declared ports in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands (hereinafter referred to "as the Port").

(2) The provisions of these rules relating to sea going vessels shall also apply to sea planes ; Catamarans, hovercrafts and Hydrofoils, but where, as a result of their special construction it is not possible for them to comply fully with the provisions specifying of the carrying of lights and shapes the fact is to be reported to the Conservator. Nothing contained in these rules shall affect the provision of

- (i) Any rules under the Petroleum Act, 1934 (XXX of 1934).
- (ii) Any rules made under Inland Vessels Act, 1917 (1 of 1917).
- (iii) Any Byclaws/Regulations made under the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).
- (iv) Any Rules/Regulation/Bye-Laws made under the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986).

CHAPTER—II

RULES FOR SEA-GOING VESSELS

(Including inter-island vessels)

4. **Entry/Departure restrictions.**—No vessel shall enter or leave the port between sunset and sunrise without special authority of the Deputy Conservator of the port.
5. **Occupation of berths.**—All vessels within the port shall take up such berths as may be assigned to them by the Deputy Conservator of the Port and shall change their berths or shift therefrom when so required by him.
6. **Berth allocation.**—Vessels shall be allotted berths by the Deputy Conservator or Harbour Master subject to Nautical requirements being satisfied.
7. **Restriction on movement.**—Every sea-going vessel shall, as and when ordered by the Deputy Conservator, or harbour Master, as the case may be, move to or from any berth, mooring or anchorage in the port, proceed up or down except under the direction of an officer of the Port Pilot Service.
8. **Prevention of collisions at sea.**—Every vessel under the charge of a Pilot while navigating in the channel shall be governed by International Rules for preventing collisions at sea, as modified or supplemented by the local rules prescribed by the Port Management Board for navigation in the channel.
9. **Movement without Pilot or other authorised officer.**—(i) No sea-going vessel over 2100 tons shall move into or out of, or within Port, or to or from a jetty/berth/mooring/anchorage, without having a Pilot, or a duly authorised officer on board, unless a dispensation for the same is given under the provision of Section 31 of the Indian Ports Act, 1908.
(ii) The Master or the owner shall obey every lawful direction or, and act in full cooperation with all duly Authorised officers of the Port for the purpose of mooring or unmooring, moving or removing a sea-going vessel or of regulating its position or of adjusting its equipment and gear, for the loading or discharging of its cargo, for her safety or similar other purposes.
10. **Applications for Pilot.**—All applications for sea-going vessels to be hauled into or cast-off from, moorings or for any other assistance shall be made either personally or by letter, to the Deputy Conservator or Harbour Master.
11. **Furnishing of particulars of Vessel.**—Before a sea-going vessel is brought into the Docks or placed alongside the jetties, the Master or Owner or agents shall furnish to the Harbour Master or Manager (Port Signal and Operations) or other duly Authorised Officer of the Port full particulars of the vessel's dimensions, drafts, tonnage and special features of equipment or construction in the prescribed form.

12. **Use of Tug.**—Every sea-going vessel wishing to move within the port shall employ such tugs for the purpose as are, in the opinion of the Harbour Master, or Pilot-in-charge, necessary for its safety.
13. **Power of Vessels.**—The Master of every sea-going vessel entering or leaving any mooring or any dock or jetty berth under its own power shall be responsible, for the maintenance of sufficient power to work its engines at full speed, ahead as may be required.
14. **Use of Moorings.**—No sea-going vessel shall attach to or use any mooring (Fixed or Swinging) without the permission of the Deputy Conservator or the Harbour Master.
15. **Anchors at Bow.**—Every sea-going vessel under way, or lying in the stream or at a mooring shall at all times have atleast one anchor at the bow with a cable bent ready for letting go at short notice.
16. **Mooring of vessels.**—No person shall moor any sea-going vessel in any manner other than that prescribed by the Deputy Conservator, or Harbour Master or alter without the permission of the Deputy Conservator or Harbour Master, the mooring of any sea-going vessel save for the purpose of easing undue strain or of taking up undue slack, as may be necessary for the vessel's safety during the inclement weather.
17. **Trials of engines.**—No propellers of a sea-going vessel occupying moorings in the docks or in the stream or lying at a dock berth shall be turned without giving sufficient warning to all boats in the vicinity and unless a pilot or Assistant Harbour Master is on board during engine trials, propellers shall only be turned at dead slow for a very short periods, in each direction and no trial over the power of dead slow for a very short period shall be made except under the direction of a Pilot or Assistant Harbour Master.
18. **Dismantling of engines.**—No sea-going vessel shall, without the permission of the Deputy Conservator, or Harbour Master, dismantle its engines or otherwise render itself incapable of movement.
19. **Storm signals.**—When storm signal No. VIII, IX, or X are hoisted on the flagstaff at the Port Control Tower, the Masters of all sea-going vessels shall immediately take every precaution to make their vessels snug and secure and in particular shall keep a second anchor ready for letting go and take such other precautions to ensure safety of the vessel, life and property.
20. **Crews for vessels.**—Subject to the provisions of rules 21, 22, 23, 24 and 25, all sea-going vessels in the port shall have on board a sufficient number of crew to perform any duties which may become necessary for the safety or movement of the vessel in an emergency.
21. **Licence of minimum crew.**—Whenever any sea-going vessel is laid up in any berth or mooring specially allotted to it for that purpose, it shall be lawful for the Port Management Board by the hand of their Chief Port Administrator to grant for a stated period a licence, in Form A of the Schedule authorising the vessel to remain at her berth or mooring with the minimum crew specified in that licence.
22. **Revocation of the licence.**—It shall be lawful for the port Management Board by the hand of the Chief Port Administrator in Form B of the schedule to revoke the aforesaid licence in Form A, and on after the publication of such revocation, which shall be affected by pasting a copy thereof upon some conspicuous part of such vessel, the provisions of rule 20 shall apply to the vessel as if no licence had ever been granted.
23. **Licence to lie without crew.**—Whenever it will appear to the Chief Port Administrator that any creek, bay or dock is so situated that sea-going vessels without any crew there in may remain afloat in such creek, bay or dock without danger to any vessel in any part of the port, it shall be lawful for the Chief Port Administrator in or C of the schedule to issue a licence exempting any such vessel from the provisions of Rule 20 and if he thinks fit to revoke, or from time to time amend the aforesaid licence.
24. **Smoking.**—No person shall smoke or use naked lights of any description in a hold or between decks of a sea-going vessel or in any enclosed space in such vessels containing stores, cargo or inflammable material.
25. **Lights.**—No sea-going vessel shall without the permission of the Deputy Conservator, use any lights other than electric lights, provided this rule shall not apply to emergency navigation or riding lights
26. **Fires.**—Lighting of on sea-going vessels shall be permitted only in galleys or properly constructed fire places.
27. **Fire Works.**—The discharge of fire works is prohibited on all sea going vessels.

28. **Measures during Fire.**—When a fire breaks out in any vessel, the Masters of all sea-going vessels in any neighbouring berths or mooring shall furl their awnings, get their force pumps and hoses ready for use and prepare to slip their cables or hawsers and take such other measures necessary to reduce damage due to fire.
29. **Projections from vessels.**—All sea-going vessels proceedings to or from the wharves or jetties shall turn in all boats, and remove all projections likely to collide with any wall, pier or jetty or quay equipment
30. **Double Banking.**—All sea-going vessels berthed in the docks either alongside the quay berth or at the buoys must be prepared to receive other vessels alongside them at short notice. The vessel stationary in the berth shall provide all the facility to the vessel approaching to be berthed alongside in the interest of safety of both the vessels.
31. **Discharge of Noxious wastes/filth/rubbish**
No person shall—
 - (a) wilfully discharge into the creek, channel or any dock, any petroleum or other inflammable liquid.
 - (b) wilfully throw any liquid of a noxious character or any filth or any rubbish into the waters of any dock.
32. **Protection of Environment—**
 - (a) No person shall—
 - (i) lay or place any ballast/rubbish/cargo/goods/articles/substance on any quay/pier /jetty/vessel in such a position that the same or any part of the same will be likely to fall into the water, if such ballast/rubbish/cargo goods/articles/substance is likely to be detrimental to environment or cause damage to shipping after falling into the water.
 - (ii) Cast/throw/permit or suffer any ballast/rubbish/cargo goods/articles as referred in Sub-Rule (i) of this rule to fall into the docks or water from any pier, quay, jetty or vessel.
 - (b) The Master of any vessel from which any such cargo/goods/articles/substance/thing as aforesaid have been cast or thrown or have fallen in the docks or in the water shall forthwith report full particulars of the occurrence to the Dock Master or the Harbour Master as the case may be.
33. **Prohibition of private signals.**—No signals excepting those authorised by the International Code of Signals shall be hoisted by a sea-going vessel without the authority of the Conservator, Harbour Master or Pilot-in-Charge.
34. **Signal lights.**—Every sea-going vessel shall between dark and day-break exhibit the lights required by the International Regulations for Prevention of Collisions at Sea. No other signal lights shall be exhibited except under direction of the Harbour Master or Pilot-in-Charge.
35. **Sounding of whistles.**—No sea-going vessel shall sound her whistle or siren except in accordance with the International Rules for Preventing Collisions at sea, provided that no sea-going vessel shall continuously sound a whistle or siren.
36. **Blue Peter.**—Every sea-going vessel about to leave the port shall hoist the Blue Peter at the fore at 6 a.m. on the day prior to that on which she breaks moorings, and shall keep it hoisted until the Pilot-in-charge assumes charge to take it to sea, provided that this rule shall not apply in time of war
37. **International Code Flag 'A'.**—Every sea-going vessel entering moorings or proceeding to a jetty shall hoist International Code Flag 'A' on the triatic stay and shall keep it so hoisted until the Pilot-in-charge, when he considers it safe for inland vessels and small craft to come alongside, orders it to be lowered.
38. **Use of search lights.**—The use of search lights by any sea-going vessel within the port is prohibited except under the direction of the Pilot or the Harbour Master.
39. **Display of lights while towing/pushing.**—Every sea-going vessel while being towed/pushed shall display lights/shapes as prescribed for such vessels by the International Rules for Preventing Collisions at Sea, as may be in force/amended from time to time.
40. **Lights of the sea-going vessel not to interfere with the lights of the Tug.**—Every sea-going vessel in the port in tow of tugs lashed alongside shall extinguish all lights which interfere with the visibility of the lights exhibited by the tugs.
41. **Towing lights.**—Every sea-going vessel in the port—

- (a) shall, when in tow astern, carry the lights required by Rule 5 of the International Rules for Preventing Collisions at Sea.
 - (b) shall, when in tow of vessels lashed alongside both sides carry only the white lights required by Rule 3 of the said Regulations.
 - (c) shall, when in tow of only one vessel lashed alongside carry the white lights required by the aforesaid Rule and in addition a side light on the side, away from the towing vessel.
 - (d) shall, when in tow astern of a vessel and with tugs, lashed alongside, carry the white lights required by the aforesaid Rules.
42. **A sea-going vessel towing another sea-going vessel in the port shall—**
- (a) when towing ahead exhibit lights prescribed by Rule 3 of the International Rules for Preventing Collisions at Sea.
 - (b) when towing alongside exhibit side lights only on the side, away from the tow.
43. **Towing lights for Tugs.**—The additional white light mentioned in sub-rule(b) of Rule 2 shall not be carried by a sea-going vessel going in tow in the port with tug/tugs alongside.
44. **Lights for vessels aground and anchored vessels.**—Every sea-going vessel aground in the port in the navigable channel—
- (a) shall exhibit the lights/shapes in accordance with the International Rules for Preventing Collisions at Sea, as may be imposed/amended from time to time.
 - (b) shall, during the day, exhibit the black ball as prescribed in the International Rules for Preventing Collision at Sea.
45. **Precautions against accidents.**—The master of every sea-going vessel shall take all necessary precautions by placing guards or otherwise to prevent injury to persons or damage to property through the discharge of steam, oil or water from any part of his vessel.
46. **Securing beams and hatchway.**—When cargo is being loaded into or unloaded from a sea-going vessel through any of its hatchways, whether on deck or below, the longitudinal (fore and aft) and athwartship beams and hatchway covers of such hatchways shall be secured in such a manner as will effectually prevent them from falling into the hold or overboard.
47. **Safety of workmen.**—The master of any sea-going vessel requiring work to be done in bilges, boilers or double bottoms shall take all precautions to ensure that working conditions in such places are made safe before any person is sent into them.
48. **Anchoring and Mooring**
- (a) All vessels inside the harbour shall be anchored or moored in such a manner as may be directed by the Deputy Conservator.
 - (b) The anchors of all sea-going vessels must be buoyed.
49. **Bathing in Harbour.**—Bathing is strictly prohibited in the harbour on account of sharks, crocodiles, barracudas etc. which are likely to be present inside the harbour waters.
50. **Arrival notification of the vessels**
- (a) At least 12 hrs before the expected arrival of the vessel, its agents shall send a notification to the Deputy Conservator of the port.
 - (b) Detailed particulars of cargo to be landed at the port hatch-wise should accompany the vessel's arrival notification or soon after the actual arrival of the vessel in the port.
51. **Carrying out the repairs to vessels.**—Master of vessels intending to carry out repairs shall observe the following :
- (a) Vessels may not be immobilised without first obtaining permission from the Deputy Conservator/Harbour Master.
 - (b) Vessels may be shifted from the berth when the berth occupied is required for other purposes, and

- (c) Repairs involving naked lights, gas cutting, welding and the like in the vicinity of the fuel/oil storage tanks or fuel system involving the entry of a person into any fuel/oil storage tank may not be commenced unless, a gas free certificate from the appropriate Authority has been obtained.
52. **Navigation inside harbour limited.**—Small ships, boats and other harbour crafts operating inside the harbour limits should navigate with caution due to submerged logs likely to exist and further, boats should not go beyond the navigational buoys provided.

CHAPTER—III

RULES FOR INLAND VESSELS

53. **Comprehensive Rules**—The provisions of rules 14, 15, 24, 25, 26, 27, 42, and 43 shall apply in relation to Inland vessels as they apply in relation to sea-going vessels.
54. **Navigable channel**—Every Inland vessels shall navigate so as to keep free the navigable channel required by the sea-going vessels moving within the port.
55. **Regulation of berths & mooring**—Every Island vessel shall take up, or move to or from, any berth mooring or place when directed to do so by the Port Management Board.
56. **Anchoring**—No Inland vessel shall anchor in such a position or in such a manner, as to offer obstruction to any navigable channel within the port.
57. **Restriction on movement**—No Inland vessel shall proceed alongside any sea-going vessel for any purpose while International Code Flag 'A' is flying on the triatic stay of the later.
58. **Free passages**—Every Inland vessel, at anchor or underway, shall at all times affords free passage of sufficient width to piers, jetties, landing places, wharves, quays, docks, floating dock and moorings.
59. **Storm signals**—When a storm signal is hoisted on the flag staff at Port Control Towers, the Masters of all Inlands vessels shall immediately take every precaution to make their vessels and secure.
60. **Crew for vessels**—Every Inland steam vessel shall have on board a sufficient number of crew to perform any duties which may become necessary for her safety or movement in any emergency.
61. **Prescribed lights**—Every Inland steam vessel exhibit the lights prescribed in the rules made under the Inland Vessels Act 1917 (1 of 1917).
62. **Search lights**—Inland vessels are permitted to use search lights for navigational purposes, provided that no search light shall in any circumstances be directed so as to interfere with the navigation of any vessel underway.
63. **Fire appliances**—Every Inland Steam vessel shall carry the fire appliances prescribed in the rules made under the Inland Vessels Act, 1917 (1 of 1917).
64. **Communication**—Every Inland vessel while navigating between one island to another island or while operating within the tidal water shall maintain radio communication with the Port Control Tower either on VHF or HF as per affixed schedule.

CHAPTER—IV

RULES FOR HARBOUR CRAFTS

65. **Comprehensive rule.**—The provisions of rules 14, 15, 16 and 43 shall apply in relation to harbour crafts as they apply in relation to sea-going vessels and the provisions of rules 54, 55, 56, 57 and 58 as they apply in relation to Inland vessels.
66. **Harbour craft Registration and Licencing.**—No Harbour craft shall ply whether regularly or occasionally, within, or partly within and partly without, the port, unless it has been registered and licenced under Inland Vessel Act, 1917 (1 of 1917) in consultation with the Deputy Conservator of Ports/Mercantile Marine Deptt., Port, Port Blair by the Registering Authority.
67. **Application for Registration.**—Every application for the registration of a Harbour craft shall be made in writing to the Deputy Commissioner, Andamans in Form 'D' of the schedule with an affidavit and photo certificate furnishing the following particulars :
- (a) Owner's name and address, or name and address of his duly Authorised agent in Port Blair.

- (b) description of the boat/flat and
- (c) nature of license, cargo or passenger, held or required.
- (68) **Cancellation of the Registration.**—The registered number of a boat/flat shall remain in force as an identification number throughout the whole working life of the boat/flat unless.—
 - (a) the boat/flat remains unlicensed for a period of 3 years.
 - (b) the boat/flat is condemned by the Boat Surveyor as unfit for further service,
 - (c) the number branded on the flat/boat becomes obliterated and cannot otherwise be traced and
 - (d) the dimensions of the flat/boat are altered.
- 69. **Application for licence.**—Every application for a licence for a flat/boat shall be made in writing to the Deputy Commissioner, Andamans in Form 'E' of the schedule and shall contain the following particulars :—
 - (a) Owner's name and address, or
 - (b) name and address of his duly authorised agent in Port Blair.
 - (c) a description of the flat/boat,
 - (d) the registered number branded on the flat/boat by the Deputy Commissioner, Andaman or the registered number marked according to the provisions of the Registration, and
 - (e) the name of the Serang in charge of the flat/boat.
- 70. **Serang's Certificate of competency.**—No flat/boat shall be allowed to ply whether the limits of the Ports of Andaman and Nicobar unless it is in charge of a serang in possession of competency certificate issued in accordance with A and N Islands Inland vessels (Certificate of competency) Rules 1972.
- 71. **Unlicensed Harbour craft with cargo.**—Every Harbour craft arriving in the declared port of Andaman and Nicobar Islands without a licence which has expired and wishing to discharge cargo shall at once apply for a unloading permit with the Port Management Board. Any Harbour craft discharging cargo under this rules shall, within 15 days of the date of entering the port, should apply to the Registering Authority of such vessels for survey and licence.
- 72. **Cargo Boat crew.**—Every flat or cargo boat plying in the port shall carry an approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it of size not less than 1 inch in circumference and 10 fathoms in length.
- 73. **Passenger boat crew.**—Every Passenger boat plying in the port shall, carry not less than two approved life-buoys or suitable approved substitutes with suitable lifelines attached to them of not less than 1 inch in circumference and 10 fathoms in length, and if it is licenced to carry more than 40 passengers, one additional approved life-buoy or a suitable approved substitute with a suitable life line attached to it for every additional twenty passengers or part thereof.
- 74. **Load line.**—Every flat/boat exceeding the registered measurement of 28 cu mts shall have its load line, which shall at no time be submerged, indicated by a conspicuous mark cut into the hull and painted white on dark background. This mark shall be made by the Boat surveyor at the time of registration.
- 75. **Exhibition of Passenger plate.**—Every boat licenced to carry passengers shall exhibit a passenger plate on which shall be shown in English and in Hindi the registered number of the boat, licence number, the number of passengers she is authorised to carry, the number of its crew and the expiry date of its licence.
- 76. **Inspection of licence.**—Every Serang in-charge of a flat or boat plying in the port shall carry his own licence and the licence of his flat/boat, each of which shall be produced whenever it is required by the Port Security Officer/staff duly authorised by the Board. The licence of a cargo boat shall also be produced for inspection at the request of any passenger.
- 77. **Seizure of licence.**—In case of breach of these rules or any of the conditions of the licence by the Owner or Agent or Serang of the Boat/flat, the flat/boat may be seized by the Port Security Officer or by any officer/staff so authorised by the Board and kept in police custody till finalisation of the dispute. the boats/flats found plying without licences or with Serang with expired certificate of competency may be seized by the police.
- 78. **Duration of licence.**—Every licence granted under these rules shall usually continue to be in force for one

- year from the date on which it is granted, unless revoked. The licence may also be granted to a boat/flat for a period of less than a year, if considered necessary. Duplicate licence may also be issued in lieu of lost or defaced licence. Every expired or revoked licence shall be surrendered to the Deputy commissioner, Andamans without delay.
79. **Carriage of passenger.**—No person in-charge of a licenced passenger boat plying for hire in the port shall, without good reason, refuse to carry in such boat a passenger tendering the proper hire.
80. **Harbour crafts to be under control.**—All harbour crafts underway within the port limit shall themselves have sufficient power so that they are able to keep free the Navigational channel/water way require by the sea going vessels for entering/departure.
81. **Clearance area for sea going vessels.**—The Navigations channel of the ports of Andaman and Nicobar Islands shall at all times be kept clear for the maneuvering of sea-going vessels.
82. **Restriction of harbour crafts going alongside sea going vessel.**—No harbour craft shall proceed alongside any sea-going vessels entering harbour or proceeding to berth or vice versa.
83. **Restriction on movement.**—No boat shall proceed alongside any sea-going vessels entering moorings or proceeding to a jetty berth, when during the day, International code flag 'A' is flying at the triatic stay of the vessel, or when at night, two lights are exhibited vertically, i.e. a red light over a white light six feet apart and visible all around the horizon.
84. **Inland vessels.**—No flat/boat shall lie at or alongside the inland vessel, wharves for receiving, landing or shipment of goods out of, or into, any vessel, not being a sea going vessel, except when such flat/boat is so landing or shipping goods.
85. **Fishing boats.**—Fishing boats shall observe all the rules applicable for inland vessels and harbour craft. No fishing is permitted in the port limit and fishermen are not permitted to spread the slings/nets across the port channels/fairways.
86. **Wooden dinghies.**—Any wooden dinghy used for ferrying passengers and materials between vessels and shore in the docks must obtain plying permit from Harbour Master on payment or prescribed fees, the validity of such plying permit must conform to the passenger licence/certificate issued by the Deputy Commissioner, Andamans.
87. **Exhibition of lights.**—
- Every Harbour craft whether at anchor or underway shall between sunset to sunrise exhibit at a height of atleast 1.83 meters above the deck a white light in a weather proof lantern so constructed as to give an uniform and unbroken light of sufficient power to be visible all around the horizon for distance of atleast one nautical mile.
 - Every harbour craft engaged in tow of dumb barges shall, if in tow alongside, exhibit in a properly constructed lantern on the outer edge of the vessel and at a height of not less than 91 cms., above any construction on deck, a white light, clear, uniform and unbroken which shall be visible all around the horizon at a distance of atleast 2 NM. if in tow astern, exhibit a similar white light at the after end at a height of not less than 1.83 meter above the deck.
88. **Dumb Barge.**—Every dumb barge, lighter or flat in tow of a sea going vessel in the port shall
- if in tow alongside at night exhibit in a properly constructed lantern on the outer edge of the vessel and at a height of not less than 91 cms., above any constructions on dock, a white light, clear, uniform and unbroken, which shall be visible all around the horizon at a distance of atleast 2 nautical miles.
 - if in tow astern, exhibit a similar white light aft and at a height of not less than 1.83 meters above the deck.
89. **Fire place.**—No fire shall be lighted in a flat/boat except in a properly constructed iron caboose or fire place which shall be kept on deck or in such other part of the flat/boat as the Surveyor may direct.
90. **Lost property.**—When property belonging to any passenger is left in a boat it shall at once be sent by the person-in-charge of the boat to the officer in charge of the nearest police station.

- 91 **Reporting of accidents.**—Whenever any accident occurs to a flat/boat, the owner, agent or person in charge of such flat/boat shall at once proceed to the nearest police station and report to the officer in charge, the circumstances connected with the accident.
92. **Issue of certificate after accident—**
- The owner, agent or person in charge of the flat/boat shall, after complying with the provisions of Rule 91 submit a report in writing to the nearest police station and the Deputy Commissioner, Andamans alongwith the licence of the flat/boat stating the nature of the accident and the details of the repairs require to be carried out.
 - On receipt of the report, the Deputy Commissioner, Andamans shall cause the flat/boat to be examined and specify in writing the repairs to be carried out.
 - After the repairs so specified under sub-rule (b) have been duly carried out, the flat/boat shall be placed again before the Deputy Commissioner, Andamans.
 - On being satisfied about the repairs, the Deputy Commissioner, Andamans shall issue a certificate in writing to that effect enclosing the licence of the boat/flat referred to in Sub-rule (a) on the basis of which alone the flat/boat may be allowed to ply in the tidal waters.
- 93 **Owner or Serang's responsibilities.**—Without affecting his other responsibilities under these Rules, the owner, serang or the person-in-charge of any boat shall, in particular, be responsible :—
- that the boat is provided with the number of crew and life saving appliances required by these rules.
 - that the boat is kept thoroughly clean
 - that the registered number is kept clearly painted on both sides in the manner prescribed by these rules
 - that valid licences are carried by both the boat and the serang.
 - that the gear, tackle and life saving appliances specified in the licence are provided and maintained in good working order
 - that the load line is clearly marked and at no time be submerged.
 - that the boat, if carrying passengers does not contain any person in excess of the number for which it is licensed.
 - that the boat is kept at all times moving so as to keep a free navigable channel for sea-going vessels.
 - that the boat/flat should under no circumstances interfere with ship's movement or create obstruction to ship's work in the port or dock.
 - that the flat/boat should not be kept unmanned in the port.
 - that the boat/flat should in no way be involved in activities like theft, smuggling, pilferage, etc.
- 94 **Berths for Harbour crafts.**—All Harbour crafts will be berthed in the designated area of the ports by the Deputy Conservator of Ports. Boats will be charged as per rates applicable under vessel related charges.

CHAPTER—V

RULES FOR SHIP-BREAKING

- 95 **Application for ship breaking.**—An owner requiring to dismantle a vessel or break up a vessel for scrap, shall apply in writing to the Deputy Conservator, and shall produce for his inspection the clearance given by the Director General of Shipping, Indian customs, and the Sales Tax authorities, as applicable, and also such other documents as may be required by the Deputy Conservator. On being satisfied with the production of required documents, as applicable, Deputy Conservator may allot a suitable berth for dismantling the vessel within the A & N Islands.
- 96 **Agreement relating to ship-breaking.**—The owner, when required, shall enter into formal agreement on such terms and conditions as may be laid down by the Deputy Conservator, regard being had to the circumstances of the case and the degree of risk involved in dismantling, breaking up or destroying of the vessel concerned.

97. **Payment of charges.**—The owner shall immediately on demand pay all charges prescribed by the Board as and when demanded by the Deputy Conservator, in the shape of wharfage, mooring, berth, hire, dry dock, beaching charges, ground rent charges crane hire charges and any other charges as applicable, before such services are rendered.
98. **Bank guarantee from a scheduled bank for ship-breaking.**—The owner shall also furnish, if asked to do so, a bank guarantee from a scheduled bank having its head office or branch office in Port Blair, as approved by the Board's Chief Accounts Officer in the form prescribed by the Deputy Conservator, undertaking to pay to the Board, in the event of the vessel fully or partially sinking or becoming a wreck, the cost of salvage operations to be carried out by the Deputy Conservator, to secure the safety of the port, the safety of other vessels and/or for keeping clear the navigational channels. In deciding the amount and other terms of such bank guarantee, the decision of the Marine Engineer shall be final.
99. **Ship-breaking without due diligence.**—(I) In case the owner fails to carry out the breaking up or dismantling work with due diligence as required by the Marine Engineer, the Board may, without prejudice to any of their rights, themselves or through other agencies break up or dismantle and/or sell and/or remove the portions so dismantled or broken up of the vessel at the cost and expense of the owner.
(II) The expression 'owner' includes his agents, representatives or agent of the vessels.
100. **Interpretation of rules.**—In case of any dispute as to the interpretation or working of these rules on ship-breaking, the same shall be referred to the Chairman for decision.

CHAPTER—VI

RULES FOR DAMAGE TO PORT PROPERTY

101. Masters and Owners of vessels shall be held liable for any damage whatsoever that shall have been caused by their vessels or servants to any of the works or property of the Board and the Board reserves the right to detain their vessels in dock until security has been given for the amount of the damage caused ;
- Provided that without prejudice to any rights of the Board, the Chairman or Deputy Conservator may allow the vessel or vessels to leave the port on sufficient security being furnished by the Owner/Master to cover the estimate cost of damage/loss.

CHAPTER—VII

RULES FOR VESSELS CARRYING PETROLEUM

102. **Definitions.**—In this chapter unless the context otherwise requires :
- (i) "Bulk oil vessel" means a petroleum vessel with petroleum in bulk ;
 - (ii) "Case oil vessel" means a petroleum vessel with petroleum in cases, casks, drums or other receptacles ;
 - (iii) "Discharged vessel" means a petroleum vessel which has completed the discharge of its petroleum ;
 - (iv) "Excluded petroleum" having its flash point not below 93°C (or 200°F), to which these rules do not apply ;
 - (v) "Flash-point" in relation to any petroleum, means the lowest temperature at which it yields a vapour which will give momentary flash when ignited, and determined in accordance with the provisions of the Petroleum Act, 1934 (30 of 1934) and the rules made thereunder;
 - (vi) "Gas free certificate" means a certificate granted by an officer appointed by the Central Govt. in this behalf to the effect that a vessel has been thoroughly cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour,
 - (vii) "Petroleum" means any liquid hydrocarbon or mixture of hydrocarbons and any inflammable mixture (liquid, viscous or solid) containing any liquid hydrocarbon;
 - (viii) "Petroleum class A" means petroleum having its flash point below 23°C (73°F);
 - (ix) "Petroleum class B" means petroleum having its flash point below 65.5°C (150°F) but not below 23°C (73°F) ,

- (x) "Petroleum class C" means petroleum which has its flash point not below 65.5°C (150°F);
 - (xi) "Petroleum in bulk" means petroleum contained in a receptacle exceeding 1000 liters in capacity;
 - (xii) "petroleum vessel" means any vessel carrying more than 50000 liters or 5 metric tonnes of petroleum class "A" or 500000 liters or 50 metric tonnes of petroleum class "B" or any other substance having the same flash points as that of petroleum class "A" or class "B";
 - (xiii) "to transport" means to move petroleum from one place to another within the port.
103. **Regulation of petroleum vessels.**—No petroleum vessel shall proceed above the anchorage until it has been allotted a berth.
104. **Declaration by master of ships carrying petroleum or by the ship's agent—**
- (a) The master of every vessel carrying petroleum or any other substance having flash point below 65.5°C (150°F) shall deliver to the Pilot before entering the port of A & N Islands a written declaration under his signature.

Provided that if in anticipation of ship's arrival the agent for such ship delivers to the Deputy Conservator a written declaration of aforesaid under his signature, no such declaration need be made by the master of the ship.
 - (b) The agents shall furnish a list of all hazardous cargo with full particulars to the Deputy Conservator and manager (Cargo), the master shall be responsible for compliance with all rules, regulations and instructions issued by them, provided that when circumstances warrant, the Deputy Conservator, may relax the quantities that may be brought for discharge at the jetties/wharves upto a maximum as follows :
 - (i) Dangerous petroleum or other substances having a flash point below 24.4°C (76°F)—5 tonnes.
 - (ii) Non-dangerous petroleum or other substances having a flash point below 65.5°C (150°F)—1000 tonnes.
105. **Attendance of tug.**—No petroleum vessel with non-dangerous petroleum and no discharged vessel without a gas-free certificate for all tanks shall be transported unless it has a tug in attendance.
106. **Discharge of petroleum in bulk and loading of petroleum or inflammable liquids in bulk.—**
- A. Petroleum vessel shall discharge/load :
- (i) Petroleum Class "A" in bulk or inflammable liquids having flash point below 23°C (73°F) may be discharge/shipped/directly into/from storage tanks of importers/exporters at Oil berth.
 - (ii) Petroleum class "B", class "C" or inflammable liquids having flash point of 23°C and above may be discharged/shipped direct into/from storage tanks of importers/exporters at Oil berth.
107. **Discharge of loading case oil vessels.—**
- Every case oil vessels shall discharge or load it petroleum or inflammable liquids, at the petroleum depot., but no such vessel shall begin discharge or loading until the Harbour Master is satisfied that :—
- (i) The Asstt. Collector of customs has permitted its petroleum or, as the case may be, inflammable liquids to be landed or loaded.
 - (ii) Proper arrangements have been made for the disposal of leaky casks or drums or other receptacles.
 - (iii) The receptacles satisfy the requirements of the Petroleum Rules, 1976.
108. **Discharge into lighters —**
- (i) No case oil vessel shall discharge under the foregoing rules any petroleum in a lighter unless such lighter is capable of being cleared and unloaded into a storage shed between sunrise and sunset :
Provided that every such lighter shall be duly licensed for this purpose by the registrar/surveyor of vessels:

Provided further no lighter loaded with petroleum shall be detained overnight in the harbour unless specific permission in writing to that effect is first had and obtained from the Deputy Conservator of Ports.
 - (ii) Provisions of this rule shall also apply in relation to all inflammable cargo with or without liquid hydrocarbon.

109. **Fire.**—No fire or naked light and no smoking shall be allowed on any boat carrying petroleum in cases, drums or other receptacle.
110. **In-adequate facilities for discharge.**—If the Assistant Collector of customs at any time declares that the accommodation for discharge of petroleum by any petroleum vessel is unsuitable, the Deputy Conservator may direct that the vessel be removed to anchorage within the port.
111. **Discharge or loading under own power.**—No petroleum vessel shall without the permission in writing of the Deputy Conservator, discharge or load petroleum Class 'A' or petroleum Class 'B' in bulk with its own generated power.
112. **Petroleum or inflammable liquids in small quantity.**—A vessel, carrying otherwise than in bulk a quantity of petroleum class 'A' or inflammable liquids not exceeding 5 tonnes (5000 liters) or petroleum class 'B' or inflammable liquids not exceeding 50 tonnes (500000 liters), may land it at the docks or jetties under the following conditions :—
- (i) that petroleum Class 'A' is covered by an import licence granted under the Petroleum Rules, 1976.
 - (ii) that each consignee who imports petroleum Class 'A' in quantity exceeding 300 liters produces a certificate of storage accommodation in form II of the Petroleum Rules, 1976, signed by him or his agent. Provided that quantities not exceeding 5 tonnes (5000 litres) petroleum Class 'A' or quantities not exceeding 50 tonnes (50000 litres) or petroleum class 'B' may be discharged into lighters or boats with the previous approval of the Deputy Conservator of ports.
- Provided further that petroleum class 'C' otherwise than in bulk may be landed in any quantity at the docks or jetties or discharged over side into boats, or lighters.
113. **Cleaning.**—Every vessel discharging petroleum or other inflammable liquids shall, unless it is proceeding direct to sea move without delay to the appointed moorings at which she shall, subject to any direction of the Harbour Master, remain until she is cleaned and freed from petroleum and inflammable vapour :
- Provided that the Harbour Master may, if he is satisfied that due precautions have been taken to prevent the discharge of oil, water or refuse on to a wharf or into a dock or stream, permit it to perform cleaning operations alongside the berth at which it has discharged.
114. **Precaution within docks.**—
- (i) Every vessel discharging petroleum class 'B' shall carry at each end a 10 cm wire pendant fitted at either end with an eye and the in-board end of the wire shall be placed on the nearest available bitts and the outboard end shall hang within reach of water
 - (ii) The length of each such pendant shall be 15 fathoms and the same shall be tightly strapped to the rails.
115. **Bunkering petroleum.**—No vessel shall bunker with petroleum from any boat or barge between sunset and sunrise. Between sunrise and sunset bunkering of vessels with petroleum from any boat or barge will be permitted. —
- (a) at moorings in the stream,
 - (b) at the jetties,
 - (c) in the dry docks, if the Dock master/Harbour master is satisfied that the flash point of the petroleum is not below 65.5°C or 150°F
116. **Precautions during bunkering.**—Every vessel loading petroleum for bunkers shall observe the following conditions :—
- (a) The Master or First Mate of the vessel shall be on board and shall be responsible for ensuring that bunkering rules are observed and that all reasonable precautions for safety are taken.
 - (b) An officer of the vessel shall be on watch and an attendant shall be stationed at the flexible connecting pipe.
 - (c) No smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed within 40 meters of the flexible and inlet pipes.

- (d) A suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting pipes to prevent any petroleum dripping into the sea, wharves, jetties.
 - (e) An attendant shall always be on duty at the pump of the vessel supplying the fuel.
 - (f) Pollution of the harbour waters with petroleum products is strictly prohibited and the Agent/ vessel will be held responsible.
117. **Craft not allowed alongside.**—No inland vessel or small craft shall approach within 30.48 meters of :—
- (a) a petroleum vessel bunkering or discharging in bulk.
 - (b) a discharged vessel until all her openings are closed.
118. **Certification on boats and barges.**—No boat or barge shall transport petroleum in bulk within the port unless it has been licenced by the registering authority, and also licenced by the appropriate authority in accordance with the Petroleum Rules, 1976.
119. **Restriction on night work.**—No vessel shall load, discharge or transport petroleum within the port of A & N Islands between sunset and sunrise, provided that these rules shall not apply to bulk oil vessels discharging at Oil berth in accordance with the provisions of the Petroleum Rules, 1976.
120. **Transshipment of heavy petroleum.**— Any vessel may, with the consent in writing of the Harbour Master, tranship to any other vessel Petroleum Class 'C' in bulk.
121. **Prohibited discharge of bilges in the water.**—Vessels wishing to do so are to ensure that their Agents provide sullage barges for the purpose. penalty, upto Rs. 5 Lakhs will be charged in accordance with Section 12 of Indian Ports Act, 1908.
122. **Restriction on straw/wood.**—No fires or smoking or naked lights shall be permitted on any vessel carrying straw/wood products.
123. **Gas free certificate for bulk oil vessels.**—
- (i) No bulk oil vessel shall be taken amongst other ships unless the vessel is proceeding to an oil berth (or in the case of a vessel carrying fuel oil only, into a dock) or a certificate is produced from the competent authority, to the effect that he has examined the tanks, cofferdams, pump rooms and such other parts as deemed necessary with the aid of vapour testing instruments and certified by him in writing that such tanks, cofferdams, pump rooms and other parts of the vessel are free from petroleum and vapour of petroleum and the vessel is in a fit state to enter the dock.
 - (ii) The Master of all oil bulk vessels proceeding to dry dock shall produce the certificate referred to in Sub rule (1).
 - (iii) No repair work to any part of fitting of a petroleum tanker shall be carried out in the dry dock, or in the wet dock unless such part or fitting has been examined by the competent authority, and certified by him in writing to be free from petroleum vapour or petroleum.
 - (iv) the competent authority, while granting a certificate referred to in this Rule shall specify there on the period for which and the conditions under which such certificate shall remain valid.
 - (v) Provided that a bulk oil vessel which has not carried petroleum of flash point below 150° F since her last gas free certificate was granted and which is entering a dry dock for the purpose of hull painting and examination only, will be admitted into dry dock on a certificate issued by the master of the vessel stating that the tanks have been properly cleaned out. If after entry into the dry dock it transpires that the vessel requires more intensive repairs, a gas free certificate shall be produced before such repairs can be undertaken.
124. **Separate certificate for repairs to any compartments .**—Every bulk oil vessel entering the port with a gas free certificate shall, before carrying out repairs involving the use of naked lights in any compartment, obtain a further certificate for that compartment.
125. **Gas free Certificate necessary in certain cases.**—Every vessel in the port which uses oil as fuel shall before carrying out any repairs in the bunkers obtain a gas-free certificate from the competent authority.
126. **Officers on board.**—During the time any petroleum vessel is in the port, the master and Chief Engineer officer shall be on board to carry out and give effect to the provisions of these rules.

127. During the time that petroleum vessel is loading or discharging or preparing to load or discharge petroleum, the Master and Chief Engineer shall be on board and shall see that every precaution is taken to ensure the safety of the vessel and its cargo and in particular that the boilers and machinery are maintained in working order so that the vessel may be moved without delay if so required by the Harbour Master.

CHAPTER—VIII

RULES FOR SIGNALS AND COMMUNICATION SYSTEM

128. Communication and nature of service

Ports of Diglipur, Mayabunder, Rangat, Port Blair, Hut Bay, Car Nicobar, Nancowry and Campbell Bay are equiped with HFRT/VHFRT and Radio Telex system and all sea-going vessels can communicate with these ports. Vessels should restrict signal traffic to safety, ship movement services and port operations only.

129. Procedure for signal transmission and reception.—

- (a) Only Radio communications from ship to shore and shore to ship shall, (as per the provisions of the station licence) be accepted and public correspondence of any nature is excluded from this network.
- (b) Following are the salient features of the service :—
 - (i) distress messages or replies thereto.
 - (ii) urgency messages or replies thereto.
 - (iii) safety messages or replies thereto.
 - (iv) port operation and ship movement services.
 - (v) obs/weather services.
 - (vi) ship reporting system/information pertaining to position, course, speed etc.
 - (vii) Govt. communications.

- (c) Relay system :—The station-in-charge shall relay the messages where necessary.

- (d) Despatch of signals to addressees :—All agents/ship owners or other addressees are to depute their messengers for collection of messages/signals from the Port Control Towers.

- (e) Assigned frequencies and schedules for the A&N Port Communication Network :—

Port Communication Centre and the Port Control Towers shall maintain watch on Day frequency from 0600 to 2000 hrs. and on night frequencies from 2000 to 0600 hrs. for HF/VHF Radio telephones and Radio Telex calls.

- (f) Prohibition on HF Transmission:—

No HF Transmission is permitted within the port limits and vessels at an anchorage should maintain constant/continuous watch on VHF channel 16.

- (g) Prohibition of transmissions:—

All vessels are forbidden to carry out unnecessary transmission of superfluous signals. Unauthorised transmission or reception of private nature is prohibited.

- (h) Infringements/misuse:—

Signal language/Maritime vocabulary is to be used for communication. No indecent/slang language is permitted on the circuits. Infringements of Radio Regulations/conventions shall be reported to the appropriate authority.

130. Maintenance of service documents:—

All stations shall maintain the service documents for radio communication as required under Wireless Telegraphy Act 1885 (13 of 1885). These stations shall be periodically inspected by the Wireless Inspector of Ministry of Telecommunications. The station-in-charges are to ensure that licences are kept in a prominent place in the Radio room of the Control Tower/Communication Centres.

131. Qualifications of the Port Signal operators of the Port Control Tower and Port Communication Centre (Certificate of competency):—

- (a) As per the provisions of licence issued under wireless Telegraphy Act, 1985.
- (b) Knowledge of the International Code of Signals, Indian Port Act, 1908, rules notified for Port Operations, detailed knowledge of the Maritime Rules of the Road, knowledge of Maritime Buoyage systems 'A', radio regulations, local lights, code of storm signals, safety rules, knowledge for operation of tide gauges and other subjects decided by the Examinations committee.
- (c) Following are the members of the Examination committee :—
 - (i) Dy. Conservation of Ports or — Chief Examiner
Harbour Master
 - (ii) Officer-in-charge — Member
Communication Centre,
Fortress Head Quarters.
 - (iii) Manager (Ports Signal and — Member
Operations)

132. Log books required to be maintained by the Port Control Tower :—

(a) Official Log Books (Signal) :—Duty Signal Operator to log all observation made on movement of vessels. The Log Book should contain following information :—

- (i) Sighting time of the vessel.
- (ii) Direction and approach instructions given.
- (iii) Berthing instructions given.
- (iv) Vessel's position while passing various navigational points.
- (v) Time of signals made to port as per Chapter VI of Indian Port Act, 1908 and Local Signals made to Port.
- (vi) Pilot's boarding and disembarkation time.
- (vii) Port crafts and Pilot Launches arrangement time for port operations.
- (viii) Particulars on placement/display of storm signals
- (ix) Vessel's anchor position and time of anchoring.
- (x) Tide, sunset and sunrise particulars.
- (xi) Functioning of local navigations lights and position.
- (xii) Berthing time and vessel state at the wharves/jetties.
- (xiii) Observation made on rafting, movement of harbour craft ferries and landing/taking off of sea planes.
- (xiv) Particulars on identification of vessels passing/approaching the port.
- (xv) All other observations made on safety of vessel including dragging of anchors and signals made/observed as shore-life-saving station.
- (xvi) Vessel arrival draft, (forward, mid ship and aft).
- (xvii) Any other relevant observation.

(b) Shipping register:—Shipping Register showing the particulars of vessels as per the Masters arrival notification (viz NRT, GRT, Arrival time, Master's Name, Flag, Last port of call, Next port of call, port clearance number, cargo and passenger particulars) shall be maintained by the Port Control Towers.

(c) Registers pertaining to Port Operations:—Four the purpose of realising the vessel related charges, voucher registers shall be maintained showing the details of tug operations, piloting particulars (inward and outward), bearing, of vessels at various wharves/jetties any supply of fresh water through shore hydrants/barges.

133. Local Signals:—

- (a) All singals shall be made be vessels by using the International Code of Singals and shall be acknowledged by the Code pendant being hoisted at the flag mast head.
- (b) Morse, Flags, Flashlights, Semaphore, VHF/HF radio telephone may be used as means for communicating with the Port Control Towers.
- (c) All vessels shall call port station by using Flag Z by day and by flashing 'Z' at short intervals by night.
- (d) All night signals shall be made in one hoist, with the lights in a vertical line one over the other not less than one metre apart.
- (e) Details of Local signal (by day & by night) giving their meanings is placed at Annexure.

134 Repeal and saving:—

The Andaman & Nicobar Islands (Entry of sea-going vessel in Ports) Rules, 1972 are hereby repealed, Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the pervious Rules shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these Rules.

[F. No. PR-16013/2/94-PG]

K. V. RAO, Jt. Secy.

ANNEXURE

(See Rule 133)

Signal		Where Hoisted	Signification
Day	Night		
1	2	3	4
Flag	White	To be hoisted where best	My ship is healthy.
Q	over	seen.	I request free pratique.
	Red		
		To be shown where best	I Had not received free pratique.
		seen, the lights being	
		not more than 2 meters apart.	
Flag	White	To be hoisted where best	My ship is suspected.
QQ	over	seen.	
	Red		
		To be shown where best	I have not received free pratique.
		seen, the lights being not	
		more than 2 meters apart.	
Flag	White	To be hoisted where best seen.	My ship is infected.
QI	over Red.		
		To Be shown where best seen,	I have not received free pratique.
		the lights being not more than	
		2 meters apart.	
English	Red	To be lowered half	Death on board while in port limits.
And		To be hoisted at the peak	
house flag		mast height.	

Pilot/Jack	White	Mast head	Pilot is required.
Flag DQ	Red over Red	Where best seen, mast head signal Yard arm or stay signal halyards.	Am on fire and require immediate assistance.
Flag DV	Red over White over Red	Where best seen, mast head signal yard-arm or stay signal halyards.	Have sprung a leak and require immediate assistance.
Flag DZ	Red over White over Red	Where best seen, mast head signal yard arm or stay signal halyards	Require immediate assistance.
Flag B	Red	To be hoisted at fore-mast head.	Have Kerosene Oil or Petrol on board.
And	R K O	At the main mast head. Night signal at the Fore.	
Flag B	Red	To be hoisted at mast Head.	Have explosives on board. (Note : Vessels having any quantity of explosives other than for their own use make use of the signal).
Flag S I	Red over Red over White	Where best seen, head signal Yard or stay signal halyards.	Want Police.
Flag A N G	Red over White	Where best seen, mast head signal or stay signal halyards.	Parted moorings.
Flag Y A	White over Red	Where best seen, mast signal yard or stay signal.	Require Tug.
Flag W	White Over White	—do—	Want Doctor or Medical assistance.
Flag N	Nil	—do—	Request permission to enter Harbour/channel clearance.
Flag F	Nil	—do—	Request permission to leave Harbour/channel clearance.
Flag Y J	Nil	Where best seen, mast head signal Yard arm or stay signal halyard.	Require fresh water.

SIGNALS TO BE HOISTED/DISPLAYED AT THE PORT SIGNAL CONTROL TOWERS SHALL CONFORM TO THE FOLLOWING SPECIFICATIONS NAMELY :

	Signal		Where hoisted	Significance
	Day	Night		
(a)	Andaman & Nicobar storm signals. (General System)		Flag staff	As detailed in the Code of storm signals for Indian Maritime Ports.
(b)	Two spherical shape	White over Green	—do—	Channel clear and permission is granted to leave the port.
(c)	Flag N	Green over Green	—do—	Permission granted/channel clear, You may Enter the port.

SCHEDULE-I**Form A**

(See Rule 21)

PORT MANAGEMENT BOARD, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS**Licence of minimum Crew**

I.....Dy. Chairman, Port Management Board, A & N Islands, do hereby licence under Rule 21 of the Andaman & Nicobar Islands Port Rules, 1998, the S.S/M.V.of which.....is Master, to remain at her present moorings/anchorage/berth in the said Port having on board the crew specified below : Provided always that on its revocation under Rule 22 of the said Rules, or on breach of any of the conditions written hereunder this licence shall absolutely cease and determine.

Conditions of Licence

The vessel must remain ator such other moorings anchorage/berth within the said Port as are allotted by an officer duly authorised by the Board in that behalf for the period from.....to.....The reduced crew must consist of.....

Signature of Licencing Authority.....

Date.....

Designation : Dy Chairman, PMB

Place : Port Blair.

SCHEDULE**Form B**

(See Rule 22)

PORT MANAGEMENT BOARD, A & N ISLANDS**Revocation of Licence**

I.....Dy. Chairman, Port Management Board, A & N Islands, do hereby revoke the license in form A granted to the S.S/M.V.....to remain in the said Port with reduced crew specified in the license.

Signature of Licencing Authority

Date

Designation : Dy. Chairman, PMB

Place : Port Blair.

SCHEDULE**Form C****PORT MANAGEMENT BOARD, Andaman & Nicobar Islands****LICENCE TO LIE WITHOUT CREW**

I.....Dy. Chairman, Port Management Board, Port Blair, do hereby grant under Rule 23 of the ANDAMAN & NICOBAR PORT RULES, 1998 a licence that S.S/M.V.....of which.....is Master, moored in the following creek, river, anchorage, berth or dock.....shall be exempted from the provisions of Rule 20 of the said Rules, Provided that during this period she remains in the said Creek, river, anchorage, berth or dock.

Signature of Licencing Authority

Date

Designation : Dy. Chairman, PMB

Place : Port Blair.

SCHEDULE**Form D**

(See Rule 67)

PORT MANAGEMENT BOARD, Andaman & Nicobar Islands
APPLICATION FOR REGISTRATION

Owner's name and address

Agent's name and address

Description of flat/boat

Nature of licence, cargo or
passenger, held or required

The undersigned, Owner/Agent of the flat/boat described above requests that it may be registered in accordance with Rule 66 of the ANDAMAN & NICOBAR PORT RULES, 1998.

Signature of
Owner/Agent

Residence

Forwarded to :The Deputy Commissioner, Andamans,
Port Blair.**Copy to :**The Harbour Master, PMB, Port Blair
The MMD Surveyor Incharge, Port Blair.**SCHEDULE****Form E**

(See Rule 69)

PORT MANAGEMENT BOARD, Andaman & Nicobar Islands
APPLICATION FOR THE LICENCE OF EACH FLAT/BOAT

Branded No.	Description of boat and Class	Tonnage	Number of Oars Crew	Searang Name age Height
----------------	----------------------------------	---------	------------------------	----------------------------

Number of Passengers

The undersigned Owner/Agent of the flat/boat described above requests that his flat/boat may be licenced in accordance with rule 67 of the Andaman and Nicobar Islands Port rules, 1998, to play as flat/boat.

Dated

Signature of Owner/Agent

Residence

To

The Deputy Commissioner, Andamans,
Port Blair.

C.C. to :

Deputy Conservator, PMB, Andaman & Nicobar Islands.
Surveyor Incharge, MMD, Port Blair.

